दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-130 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मंगलवार 30 जून 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

असम में भारी बारिश से तबाही, पुल तक टूट गया

कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात, अमित शाह ने सीएम हिमंता को मदद का भरोसा दिया

असम (आरएनएस)। असम में भारी बारिश हैं। नदियां उफान पर हैं और भारी कटाव से एक के कारण धेमाजी जिले में बाढ़ जैसे हालात बन गए रेलवे पुल क्षतिग्रस्त हुआ है। इस वजह से कई इलाकों में रेल कनेक्टिविटी खत्म हो चुकी है। इस बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया और हरसंभव मदद करने की बात कही।

हिमंता ने बाढ़ की कई तस्वीरें भी शेयर की हैं, जिनमें कटाव से क्षतिग्रस्त रेलवे पुल भी नजर आ रहा है।असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को बताया कि राज्य सरकार धेमाजी जिले में बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत और दीर्घकालिक पुनर्वास उपलब्ध कराने के लिए सभी संसाधन जुटा रही है। इस बीच, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने बताया कि भारी कटाव से एक रेलवे पुल क्षतिग्रस्त हुआ है। इसके कारण आर्चीपाथर और सिमेन चापरी स्टेशनों के बीच रेल परिचालन अगली सूचना तक स्थगित कर दिया गया है

यूपी के कासगंज में ट्रेनी एयरक्राफ्ट हुआ क्रैश, निर्माणाधीन हाईवे पर जा गिरा, महिला पायलट घायल

कासगंज (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में सोमवार को एक ट्रेनी एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। ट्रेनी एयरक्राफ्ट अचानक निर्माणाधीन हाईवे पर जा गिरा। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। ये हादसा कासगंज के क्यामपुर बहेडिया भड़रिया क्षेत्र में हुआ है। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।जानकारी के अनुसार, एयरक्राफ्ट में 27 वर्षीय महिला ट्रेनी पायलट सवार थीं। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घायल पायलट को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

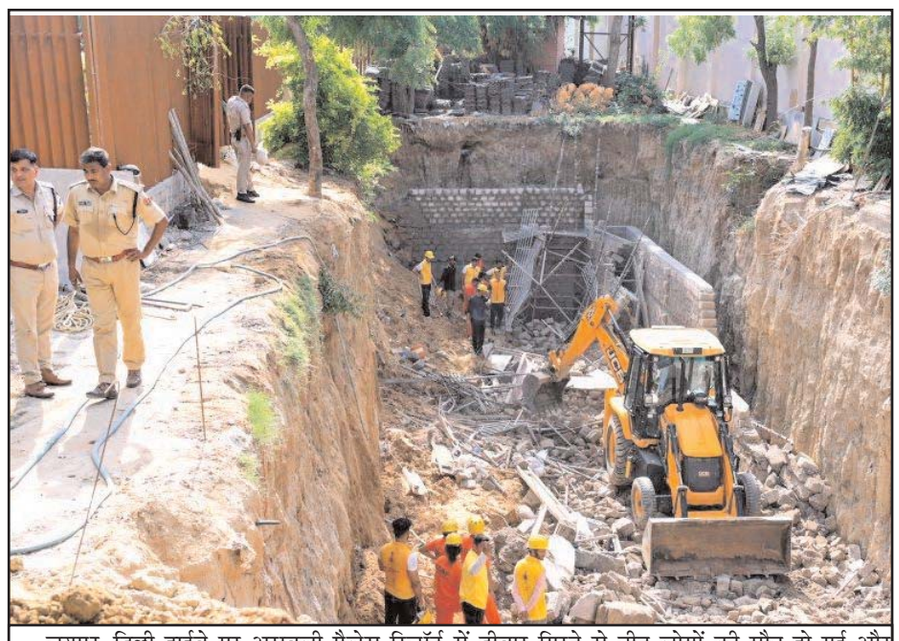

जयपुर-दिल्ली हाईवे पर अरावली पैलेस रिज़ॉर्ट में दीवार गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए; इसके बाद एसडीआरएफ के जवान बैकहो लोडर की मदद से बचाव अभियान चला रहे हैं।

राम मंदिर चढ़ावा मामले में तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

अयोध्या/नई दिल्ली ,(आरएनएस)। अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा मामले में दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है। अदालत ने याचिकाकर्ता से पूछा कि मामले में इतनी जल्द सुनवाई की आवश्यकता क्या है। इसके साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया कि याचिका पर छुट्टियों के बाद नियमित पीठ के समक्ष सुनवाई की जाएगी।

याचिका में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में चढ़ावे के धन के कथित दुरुपयोग की जांच कराने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करने के साथ-साथ कोर्ट की निगरानी में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) के अधिकारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (SIT) गठित कर जांच कराने की मांग की है। याचिका में यह भी अनुरोध किया गया है कि जांच के लिए समय-सीमा तय की जाए, ताकि मामले का जल्द निष्पादन हो सके।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने की अपील की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिलहाल ऐसी कोई असाधारण परिस्थिति नहीं है, जिसके कारण तत्काल सुनवाई आवश्यक हो। अदालत ने स्पष्ट किया कि मामले को न्यायालय की छुट्टियों के बाद नियमित बेंच के समक्ष सूचीबद्ध किया जाएगा।

अफगानिस्तान पर PAK की एयर स्ट्राइक को लेकर भारत ने दी प्रतिक्रिया, बताया-'खुद की नाकामियों को दूसरों पर मढ़ने की कोशिश'

/नई दिल्ली ,(आरएनएस)। पाकिस्तान ने देर रात अफगानिस्तान पर हवाई हमले कर दिए। पाकिस्तान के इस हमले में कई अफगानिस्तानी नागरिकों की मौत हो गई। इसमें कई महिलाएं और बच्चे भी हैं। वहीं अब इस एयर स्ट्राइक को लेकर भारत ने एक बयान जारी किया है। भारत ने इस एयर स्ट्राइक की निंदा की है और इसे अफगानिस्तान की संप्रभुता पर हमला बताया है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान का गैर जिम्मेदाराना व्यवहार अंदरूनी नाकामियों को दूसरे पर मढ़ने की कोशिश है। भारत ने उन अफगानी नागरिकों के प्रति संवेदना व्यक्त की, जिन्होंने इस एयर स्ट्राइक में अपने परिजनों को खो दियाविदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारत अफगानिस्तान के इलाके में पाकिस्तान के हवाई हमलों की कड़ी निंदा करता है, जिनमें महिलाओं और बच्चों समेत कई आम नागरिकों की जान गई है। पाकिस्तान की यह खुली आक्रामकता अफगानिस्तान की संप्रभुता पर हमला है और क्षेत्रीय शांति व स्थिरता के लिए सीधा ख़तरा है। यह पाकिस्तान के लगातार गैर-ज़िम्मेदाराना व्यवहार और अपनी सीमाओं के बाहर हिंसा की हताशपूर्ण हरकतों के जरिए अपनी अंदरूनी नाकामियों को दूसरों पर मढ़ने की बेकार कोशिश को दिखाता है।

राम मंदिर के खजाने में सेंध लगाने वालों का वकीलों ने किया पूर्ण बहिष्कार, चोरी के आरोपियों का नहीं लड़ेंगे केस

अयोध्या (आरएनएस)। राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे और दान के पैसों की चोरी के मामले में अयोध्या के वकीलों ने एक ऐतिहासिक और कड़ा फैसला लिया है। फैजाबाद बार एसोसिएशन ने सर्वसम्मति से यह तय किया है कि कोई भी स्थानीय वकील इस शर्मनाक कांड में शामिल 8 आरोपियों का केस नहीं लड़ेगा। यह अहम फैसला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान लिया गया। फिलहाल सभी आठ नामजद आरोपी पुलिस की कड़ी गिरफ्त में हैं और एसआईटी (SIT) की टीम लगातार उनसे पूछताछ कर रही है। आरोपियों के घरों और अन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है, जहां से जांच एजेंसियों को भारी मात्रा में कैश भी बरामद हुआ है।

उपराज्यपाल ने की पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर में प्रथम पूजा, अमरनाथ यात्रा की शुरुआत

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को दक्षिण कश्मीर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर में 'प्रथम पूजा' की. इसके साथ ही तीन जुलाई से शुरू हो रही वार्षिक अमरनाथ यात्रा की औपचारिक शुरुआत हो गई.उपराज्यपाल ने बाबा बर्फानी के दर्शन और आशीर्वाद लिया और सभी के लिए शांति, समृद्धि, स्वास्थ्य और भलाई के लिए प्रार्थना की. उन्होंने बाबा बर्फानी के भक्तों से बड़ी संख्या में तीर्थयात्रा में शामिल होने की अपील करते हुए इस आध्यात्मिक यात्रा का अनुभव करने का भी अनुरोध किया.उन्होंने कहा कि प्रशासन, श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अलावा सेना, पुलिस, सुरक्षा बल, स्थानीय समुदाय, सेवा प्रदाता और स्वयंसेवक भक्तों के लिए सुरक्षित, निर्बाध और यादगार तीर्थयात्रा के लिए पूरी तरह से समन्वय बनाकर काम कर रहे हैं.

अब अमरनाथ यात्रा होगी आसान, जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर 3.5 किमी लंबी टनल तैयार

रामबन (आरएनएस)। जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। रामबन जिले में बनी 3.5 किलोमीटर लंबी एटी-03 साउथ बाउंड टनल अब ट्रैफिक के लिए तैयार है। पंथ्याल को डिगडूल से जोड़ने वाली इस टनल के अगले कुछ दिनों में खुलने की उम्मीद है। इससे अमरनाथ यात्रा 2026 से पहले 'खूनी नाला' और पंथ्याल जैसे खतरनाक रास्तों से बचकर निकलने का एक सुरक्षित, तेज और हर मौसम में चलने लायक रास्ता मिलेगा।

सरला प्रोजेक्ट वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगभग 846 करोड़ की लागत से बनाई गई एटी-03 टनल, जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे के सबसे अहम इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में से एक है। उम्मीद है कि यह प्रोजेक्ट भारत के सबसे जरूरी रोड कॉरिडोर में से एक पर यात्रा को बेहतर बनाएगा, सुरक्षा बढ़ाएगा, यात्रा का समय कम करेगा और ट्रैफिक को सुचारू रूप से चलने में मदद करेगा।कई दशकों से, 'खूनी नाला' और पंथ्याल वाले हिस्से हाईवे के सबसे खतरनाक हिस्सों में से रहे हैं। यहां अक्सर भूस्खलन (लैंडस्लाइड), पत्थर गिरने, अचानक बाढ़ आने और लंबे समय तक ट्रैफिक जाम जैसी समस्याएं मानसून के मौसम में होती रही हैं। नई टनल के खुलने से इन खतरनाक रास्तों से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे यात्रियों को साल भर बिना रुकावट और भरोसेमंद कनेक्टिविटी मिलेगी। उम्मीद है कि यह टनल अमरनाथ यात्रा 2026 के दौरान अहम भूमिका निभाएगी। यह जम्मू और कश्मीर के बीच यात्रा करने वाले हजारों तीर्थयात्रियों के लिए सुरक्षित और आसान आवाजाही सुनिश्चित करेगी और साथ ही हाईवे पर भीड़-भाड़ को भी काफी कम करेगी।

कश्मीरी पंडित नर्स के अपहरण और हत्या मामले में जांच तेज, पुलिस दायर कर सकती है चार्जशीट

श्रीनगर,(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर पुलिस स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने 35 साल से ज्यादा समय से कश्मीरी पंडित नर्स सरला भट की हत्या और किडनैपिंग के मामले में सबूतों को इकट्ठा किया. इस मामले में जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के चीफ यासीन मलिक और उसके चार साथियों का नाम शामिल है.स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) श्रीनगर की स्पेशल कोर्ट में महिला नर्स की हत्या और किडनैपिंग की 737 पेज की डिटेल्स वाली चार्जशीट फाइल करने वाली है. जांच से पता चला है कि मलिक जो 2019 से दिल्ली की अति सुरक्षित तिहाड़ जेल में बंद है. वह उम्रकैद की सजा काट रहा है.

इसके अलावा उसके साथी जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के पूर्व चीफ अब्दुल हामिद शेख, गुलाम मोहम्मद टपलू और मोहम्मद यूसुफ उर्फ इदरीस भी हत्या और किडनैपिंग को अंजाम देने और उसकी प्लानिंग में शामिल थे. शेख और इदरीस 90 के दशक में मारे गए थे, जबकि टपलू की 2018 में सामान्य मौत हो गई थी.

प्रदेश के 6 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट, 40 जिलों में अब भी मानसून का इंतजार

भोपाल (निप्र.)। मध्य प्रदेश में मानसून की रफ्तार फिलहाल थमी हुई है। प्रदेश के केवल 15 जिलों तक मानसून पहुंच पाया है, जबकि 40 जिलों में अब भी इसकी एंट्री नहीं हुई है। इस बीच मौसम विभाग ने छह जिलों में भारी बारिश और कई अन्य जिलों में तेज वर्षा का अलर्ट जारी किया है।मौसम विभाग के अनुसार उज्जैन, देवास, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, मंडला और बालाघाट में अगले 24 घंटों के दौरान 4 इंच या उससे अधिक बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, रतलाम, आगर-मालवा, शाजापुर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, सिवनी, डिंडौरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर और टीकमगढ़ में तेज बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, निवाड़ी, नीमच और मंदसौर में हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। इन जिलों में अभी तक मानसून नहीं पहुंचा है। रविवार को प्रदेश के कई हिस्सों में आंधी और बारिश का दौर जारी रहा। मंदसौर और रतलाम में तेज बारिश हुई, जबकि रतलाम में आधा इंच से अधिक वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा गुना, श्योपुर, बड़वानी, शाजापुर, सीहोर, उज्जैन और छतरपुर सहित कई जिलों में भी बारिश रिकॉर्ड की गईप्रदेश में मानसून ने 24 जून को दस्तक दी थी, लेकिन इसके बाद इसकी रफ्तार धीमी पड़ गई। अब तक केवल 15 जिलों में मानसून पहुंचा है ।

झारखंड में आकाशीय बिजली ने मचाई तबाही, 30 से अधिक की मौत, 35 घायल

रांची (आरएनएस)। झारखंड में मानसून के साथ आसमान से बरस रही आफत लगातार लोगों की जान ले रही है। राज्य मे 12 जून से अब तक वज्रपात की घटनाओं में 30 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 35 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

रांची जिले के सोनाहातू में वॉच टावर का निरीक्षण कर रहे वनरक्षक रोशन श्रीवास्तव की वज्रपात से मौत हो गई, जबकि दो अन्य वनकर्मी झुलस गए। लोहरदगा में तीन वर्षीय बच्ची, रांची के बेड़ो में एक किसान, सिल्ली में एक नाबालिग तथा गढ़वा जिले के रंका में आम चुनने गए दो बच्चों की भी बिजली गिरने से मौत हो गई। 24 से 26 जून के बीच भी वज्रपात ने राज्य के कई जिलों में भारी तबाही मचाई।

इस दौरान चतरा, पलामू, जामताड़ा, कोडरमा, देवघर और लोहरदगा समेत विभिन्न जिलों में 12 लोगों की मौत हुई और करीब 18 लोग घायल हुए। लोहरदगा में दो अलग-अलग घटनाओं में दो महिलाओं की जान चली गई,

जबकि आठ लोग गंभीर रूप से झुलस गए। 21 से 23 जून के बीच पश्चिमी सिंहभूम के टोकलो में फुटबॉल मैच के दौरान मैदान पर बिजली गिरने से दो खिलाड़ियों की मौत हो गई थी। खूंटी जिले के कर्रा में क्रिकेट खेल रहे युवकों पर वज्रपात होने से एक खिलाड़ी की मौत हुई और 11 अन्य घायल हो गए।

इससे पहले 17 से 19 जून के बीच हजारीबाग, रामगढ़, पलामू, लोहरदगा, गोड्डा और पश्चिमी सिंहभूम में आठ लोगों की मौत दर्ज की गई थी। मानसून के प्रवेश के पहले 24 घंटे के भीतर ही रांची, गढ़वा, चतरा, गिरिडीह, जामताड़ा और सरायकेला-खरसावां में आठ लोगों की जान चली गई थी। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, झारखंड की भौगोलिक संरचना इसे वज्रपात के लिहाज से अत्यधिक संवेदनशील बनाती है। पठारी भूभाग, घने जंगल, ऊंचे वृक्ष, खनिज संपदा और मानसून के दौरान गर्म एवं ठंडी हवाओं के टकराव से यहां वातावरण में तेजी से विद्युत ऊर्जा विकसित होती है, जिससे बिजली गिरने की घटनाएं अधिक होती हैं। रांची, गुमला, पलामू, बोकारो और पूर्वी सिंहभूम को राज्य के प्रमुख 'लाइटनिंग हॉटस्पॉट' माना जाता है।क्लाइमेट रेजिलिएंट ऑब्जर्विंग सिस्टम्स प्रमोशन काउंसिल (सीआरओपीसी) और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के अनुसार, झारखंड में पिछले पांच वर्षों के दौरान हर साल औसतन 4.36 लाख से अधिक बार आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं दर्ज की गई हैं। पिछले एक दशक में वज्रपात से राज्य में कम से कम 1,669 लोगों की मौत हो चुकी है।

केंद्र सरकार 1 जुलाई से पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर लगे प्रतिबंध हटाएगी

नई दिल्ली (आरएनएस)। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर लगाए गए प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। केंद्र सरकार ने सोमवार को एक आदेश जारी कर यह बात कही। सरकार ने बताया कि आदेश 1 जुलाई से लागू होगा। बता दें कि सरकार ने स्थानीय कमी को रोकने के लिए वाणिज्यिक ईंधन खरीदारों को खुदरा स्टेशनों से पेट्रोल और डीजल खरीदने से रोक दिया था। साथ ही, डीजल की दैनिक खरीद पर सीमा निर्धारित कर दी थी।केंद्र सरकार ने इसी महीने प्रतिबंधों को लागू किया था, ताकि पेट्रोल और डीजल की समान उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके, हेराफेरी-जमाखोरी को रोका जा सके और उचित कीमतों पर निर्बाध ईंधन आपूर्ति बनाई रखी जाए।

बारिश को लेकर पंजाब में किसान चिंचित

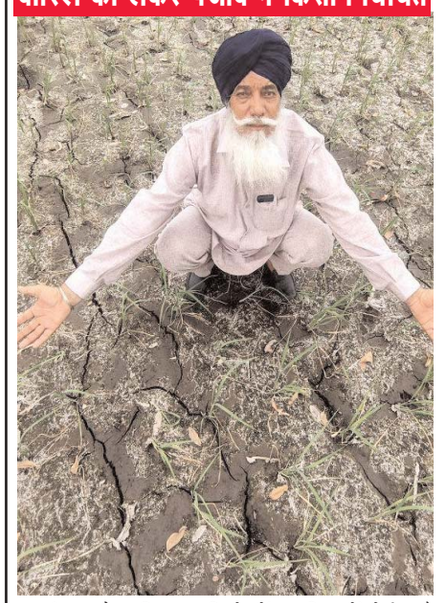

पंजाब के पटियाला ज़िले में, बारिश में देरी और सिंचाई के लिए बिजली की अपर्याप्त सप्लाई के बीच, एक किसान अपने सूखे धान के खेत का मुआयना करते हुए चिंता ज़ाहिर कर रहा है; इससे धान की रोपाई और फ़सल के बचने को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं।

भारत विश्व के सबसे बड़े डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम में शामिल : केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा

मध्यप्रदेश को पीएम-केयर्स के तहत आधुनिक डायग्नोस्टिक उपकरणों की सौगात

भोपाल, (निप्र)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने देश में डिजिटल सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से नई दिल्ली में आयोजित 'डिजिटल हेल्थ इनिशिएटिव्स लॉन्च कार्यक्रम' में आरोग्य सेतु 2.0 सहित कई नई डिजिटल स्वास्थ्य पहलों का शुभारंभ किया। इन पहलों का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक एकीकृत, सुलभ, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाना है। शुभारंभ की गई प्रमुख पहलों में आरोग्य सेतु 2.0, आयुष्मान ऐप, आयुष्मान सारथी व्हाट्सएप चैटबॉट, नेशनल हेल्थ क्लेम्स एक्सचेंज (एनएचसीएक्स), यूनिफाइड हेल्थ इंटरफेस (यूएचआई), ई-सुश्रुत क्लिनिक, ड्रग रजिस्ट्री, कॉमन LOINC कोड्स फॉर इंडिया (सीएलसीआई) तथा भारत हेल्थ टर्मिनोलॉजी सर्विस (बीएचटीएस) शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा ने कहा कि 90 करोड़ से अधिक आभा खाते और 100 करोड़ से अधिक डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड बनने के साथ भारत विश्व के सबसे बड़े डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम में शामिल हो चुका है। उन्होंने कहा कि आरोग्य सेतु 2.0 मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों तथा दीर्घकालिक

बीमारियों से ग्रस्त लोगों सहित सभी आयु वर्ग के नागरिकों को एक ही मंच पर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार, आयुष) प्रतापराव जाधव, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल, नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. एम. श्रीनिवास, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, उत्तरप्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव श्रीमती पुण्य सलिला श्रीवास्तव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव एवं आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू हुआ है। इसके तहत आगामी तीन वर्षों में पीएम-केयर्स के माध्यम से प्रदेश को 13 एमआरआई मशीनें, 11 मैमोग्राफी मशीनें तथा 308 एआई-सक्षम हैंडहेल्ड एक्स-रे उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे प्रदेश में स्वास्थ्य एवं निदान (डायग्नोस्टिक) सेवाओं को उल्लेखनीय मजबूती मिलेगी तथा आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होगा।उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पीएम-केयर्स के माध्यम से उपलब्ध होने वाले अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक उपकरण प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती देंगे तथा विशेष रूप से दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मप्र में जनजातीय छात्रावासों के विद्यार्थियों की शिष्यवृत्ति बढ़ी, आदेश जारी

1 जुलाई 2026 से नई दरें होंगी लागू

भोपाल,(निप्र.) । मध्य प्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग ने वर्ष 2026-27 में छात्रावास एवं आश्रमों में निवासरत विद्यार्थियों की शिष्यवृत्ति की दरों में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है।

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने सोमवार को बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों की बेहतर शिक्षा के लिए सततनिर्णय ले रही है। इसी क्रम में राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि अनुसूचित जनजाति के छात्रावास/आश्रमों में रहने वाले छात्र/छात्राओं की शिष्यवृत्ति की दरों को प्रत्येक वर्ष माह मार्च के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर निर्धारित कर माह जुलाई में छात्रावास / आश्रम प्रारंभ होने से प्रभावशील होगी। जारी आदेश के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर वर्ष 2026-27 के लिए शिष्यवृत्ति की नई दरें निर्धारित की गई हैं। अब छात्रावास एवं आश्रमों में रहने वाले बालक विद्यार्थियों को 1,720 रुपये प्रतिमाह तथा बालिका विद्यार्थियों को 1,770 रुपये प्रतिमाह शिष्यवृत्ति प्रदान की जाएगी।

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा से नीदरलैंड के कॉन्सुल जनरल ने की शिष्टाचार भेंट

मध्यप्रदेश पुलिस के नवाचारों, सेफ क्लिक 2.0 एवं नशे से दूरी है जरूरी अभियान पर हुई सार्थक चर्चा

भोपाल, (निप्र)। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा से नीदरलैंड के मुंबई स्थित कॉन्सुल जनरल नबील ताउआती ने आज पुलिस मुख्यालय, भोपाल में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कॉन्सुल जनरल के साथ मुंबई के वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार कौस्तुभ परिहार एवं कृषि सलाहकार प्रसाद पारते भी उपस्थित रहे। भेंट के दौरान पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा कानून-व्यवस्था सुदृढ़ीकरण, आधुनिक पुलिसिंग, तकनीकी नवाचार एवं नागरिक-केंद्रित पुलिसिंग के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी दी।

उन्होंने प्रदेश में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं जन-जागरूकता के उद्देश्य से संचालित राज्यव्यापी 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस अभियान के माध्यम से नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं विभिन्न संस्थानों तक व्यापक स्तर पर साइबर सुरक्षा संबंधी जागरूकता पहुंचाई जा रही है।

बच्चों में निवेश बढ़ाने से मध्य प्रदेश की मजबूत होगी नींव : पवैया

- समावेशी विकास और बच्चों के हितों पर केंद्रित रही राज्य वित्त आयोग एवं यूनिसेफ की बैठक

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित प्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बच्चों में निवेश बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकाय इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

इसलिए उन्हें वित्तीय रूप से अधिक सक्षम बनाने के उद्देश्य से आयोग अपनी अनुशंसाओं में बच्चों के विकास से जुड़े आवश्यक संकेतकों को शामिल करने पर गंभीरता से विचार करेगा।पवैया ने यह बात सोमवार को राज्य वित्त आयोग कार्यालय, भोपाल में यूनिसेफ के प्रतिनिधिमंडल के साथ आयोजित बैठक में बच्चों के समग्र विकास, पोषण और समावेशी आर्थिक विकास को लेकर हुठ बैठक में कही। बैठक में यूनिसेफ मध्य प्रदेश के प्रमुख विलियम हेनलोन जूनियर ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि पंचायतों एवं शहरी निकायों के लिए वित्तीय हस्तांतरण का सूत्र निर्धारित करते समय

बच्चों की आवश्यकताओं और उनके विकास से जुड़े संकेतकों को भी महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-6 के आधार पर मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में बौनापन, शारीरिक दुर्बलता, कुपोषण तथा बाल विवाह की स्थिति से अवगत कराते हुए इन संकेतकों को आयोग की अनुशंसाओं में शामिल करने का सुझाव दिया। साथ ही इस विषय में यूनिसेफ द्वारा आयोग को तकनीकी एवं विशेषज्ञ सहयोग उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भी रखा गया। बैठक में अध्यक्ष पवैया ने यूनिसेफ के प्रस्तुतीकरण और सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि इस संवाद से राज्य वित्त आयोग को स्थानीय निकायों के वित्तीय सशक्तिकरण को बच्चों के विकास से जोड़कर देखने का नया दृष्टिकोण प्राप्त हुआ है।

उन्होंने कहा कि बच्चों के हितों को प्राथमिकता देने वाली योजनाओं को स्थानीय स्तर पर प्रभावी बनाने के लिए वित्तीय संसाधनों का समुचित प्रावधान आवश्यक है और आयोग इस दिशा में सकारात्मक पहल करेगा। बैठक में राज्य वित्त आयोग के सदस्य के.के. सिंह, सदस्य सचिव वीरेन्द्र कुमार सहित आयोग के अधिकारी उपस्थित रहे। यूनिसेफ की ओर से पूजा सिंह तथा दिल्ली कार्यालय से सोमेन बागची भी बैठक में शामिल हुए।

3 साल की जुड़वां बहनों ने रचा इतिहास बनीं दुनिया की सबसे कम उम्र की फीमेल ड्रमर, लंदन में मिला वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स सम्मान

भोपाल, (आइएनएस)। जिस उम्र में बच्चे ठीक से पेंसिल पकड़ना सीखते हैं, उस उम्र में भोपाल की जुड़वां बहनें सान्वी नाहर और समन्वी नाहर ड्रम सेट पर अपनी थाप से विश्व रिकॉर्ड बना रही हैं। महज 3 वर्ष 9 माह की उम्र में दोनों बहनों ने 'यंगेस्ट फीमेल ड्रमर' का खिताब हासिल कर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन (यूके) में अपना नाम दर्ज कराया है। इस उपलब्धि के लिए दोनों को ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ कॉमंस में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया। सान्वी और समन्वी ने 21 मार्च 2026 को ड्रम सेट पर एक निर्धारित ट्रैक को 1 मिनट 20 सेकंड में सफलतापूर्वक पूरा कर यह रिकॉर्ड बनाया। रिकॉर्ड बनने के बाद संस्था ने उन्हें प्रमाण-पत्र, मेडल और ट्रॉफी प्रदान की। उनकी उपलब्धि को संस्था के आधिकारिक प्रकाशनों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी दर्ज किया गया है।

बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन 31 अक्टूबर तक

भोपाल(ए.)। श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। योजना के अंतर्गत बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के अध्ययनरत संतानों को स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा तक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को पात्र विद्यार्थियों तक योजना की जानकारी पहुंचाने तथा समय-सीमा में आवेदन एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं।उच्च शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्रवृत्ति आवेदन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) पर एक जून से प्रारंभ हो चुके हैं। पात्र विद्यार्थी 31 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विभाग ने महाविद्यालयों से अधिकाधिक पात्र विद्यार्थियों को योजना से जोड़ने और उनके आवेदनों का समयबद्ध सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा है।

मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस की अहम बैठक, नई प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस की महत्वपूर्ण प्रदेश कार्यकारिणी बैठक सोमवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय इंदिरा भवन में किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान संगठन के विस्तार, नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा और "किसान न्याय योद्धा" अभियान शुरू करने सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।बैठक में पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा, सुखदेव पांसे, विभाग एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह चौहान, सेवादल के मुख्य संगठक अवनीश भार्गव, पूर्व विधायक शैलेन्द्र पटेल, सुनील सराफ, किसान कांग्रेस सोशल मीडिया प्रभारी अनूप धोटे सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन, गांव-गांव तक संगठन विस्तार का लक्ष्य

बैठक में संगठन को अधिक मजबूत और सक्रिय बनाने के उद्देश्य से किसान कांग्रेस की नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की गई। साथ ही प्रदेश की प्रत्येक पंचायत और गांव तक संगठन का विस्तार करने का संकल्प लिया गया। बैठक

का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय "किसान न्याय योद्धा" अभियान का शुभारंभ रहा। अभियान के तहत प्रदेश की प्रत्येक पंचायत और गांव में पांच-पांच किसान न्याय योद्धा नियुक्त किए जाएंगे। इनकी जिम्मेदारी किसानों की समस्याओं को संगठन और प्रशासन तक पहुंचाने, किसान हितों की रक्षा करने तथा गांव स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने की होगी। बैठक में किसान कांग्रेस की गतिविधियों और किसानों से जुड़े मुद्दों को सोशल मीडिया के माध्यम से गांव-गांव तक पहुंचाने की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। संगठन ने डिजिटल माध्यमों को अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने पर जोर दिया।

जीतू पटवारी बोले- जवाबदेही तय होगी, काम के आधार पर होगी समीक्षा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि यह संगठन को शत-प्रतिशत मजबूत बनाने का समय है। उन्होंने सभी जिलों और ब्लॉकों में संगठन के विस्तार के साथ प्रत्येक गांव में किसान न्याय योद्धा तैयार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन में जवाबदेही सर्वोपरि होगी और सभी पदाधिकारियों के कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी। प्रदर्शन के आधार पर आवश्यक संगठनात्मक निर्णय भी लिए जाएंगे। पटवारी ने कहा कि मजबूत संगठन और जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं के माध्यम से ही किसानों के अधिकारों की प्रभावी लड़ाई लड़ी जा सकती है।

धर्मेंद्र सिंह चौहान ने बताया अभियान को किसानों की ताकत

प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि "किसान न्याय योद्धा" अभियान किसानों की समस्याओं के समाधान और उनके अधिकारों की रक्षा की दिशा में संगठन का महत्वपूर्ण कदम है।

भोपाल में तेज रफ्तार बोलेरो ने परिवार को कुचला, महिला की मौत

भोपाल,(ए)। मध्य प्रदेश की राजधानी में तेज रफ्तार का एक और हादसा सामने आया है। नवीबाग इलाके में रविवार रात एक तेज रफ्तार बोलेरो ने स्कूटर सवार परिवार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उनके पति और सात वर्षीय बेटी गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे के बाद चालक बोलेरो समेत मौके से फरार हो गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी हैहादसा रविवार रात करीब 10 बजे नवीबाग क्षेत्र में हुआ। बुधवारा निवासी 28 वर्षीय तबस्सुम अपने भाई मोहम्मद फहीम के घर मेहमानी में आई थीं। रात को वह पति अफाक और सात वर्षीय बेटी तैयबा के साथ स्कूटर से घर लौट रही थीं। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार बोलेरो ने उनके वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि परिवार सड़क पर जा गिरा। इसके बाद आरोपी चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घायलों को तत्काल हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल तबस्सुम ने सोमवार सुबह करीब 5:30 बजे इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं पति अफाक और बेटी तैयबा का अस्पताल में उपचार जारी है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। परिजनों ने बताया कि अफाक पेशे से इलेक्ट्रीशियन हैं। उनकी शादी को करीब 15 वर्ष हो चुके थे, लेकिन लंबे इंतजार और मन्नतों के बाद करीब आठ साल पहले बेटी तैयबा का जन्म हुआ था। तैयबा दंपती की इकलौती संतान है। हादसे ने एक पल में पूरे परिवार की खुशियां छीन लीं। परिजनों के मुताबिक, तबस्सुम अक्सर छुट्टी के दिन अपने भाई के घर मेहमानी के लिए आती थीं।

खाद के बढ़े हुए दामों से किसान परेशान, सरकार किसानों के हित में ठोस कदम उठाए .. किसान गर्जना संगठन

भोपाल(आरएनएस)। आज सर्किट हाउस में किसान गर्जना संगठन द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी ने खाद के बढ़े हुए दामों को लेकर किसानों की गंभीर समस्याओं को मीडिया के समक्ष रखा।

उन्होंने कहा कि खाद की लगातार बढ़ती कीमतों से प्रदेश का किसान गहरे असंतोष में है। सरकारें समय-समय पर किसानों के हित में अनेक योजनाओं और घोषणाओं की बात करती हैं, लेकिन धरातल पर अधिकांश किसानों को इन योजनाओं का वास्तविक लाभ नहीं मिल पा रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज किसान बढ़ती लागत, महंगी खाद, बीज, कीटनाशक एवं अन्य कृषि सामग्री के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहा है। खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, जबकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा। परिणामस्वरूप किसान कर्ज के बोझ तले दबता जा रहा है।

उन्होंने सरकार से खाद के बढ़े हुए दामों पर तत्काल पुनर्विचार करने तथा किसानों को राहत प्रदान करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो किसान गर्जना संगठन चरणबद्ध आंदोलन करेगा।इसी क्रम में किसान गर्जना संगठन द्वारा बालाघाट जिले की सभी तहसीलों में पत्रकार वार्ताएं आयोजित की जाएंगी। इसके पश्चात जिले के सभी तहसील मुख्यालयों पर धरना-प्रदर्शन कर माननीय प्रधानमंत्री, माननीय मुख्यमंत्री एवं माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री के नाम तहसीलदार के माध्यम से ज्ञापन सौंपा जाएगा।इसके अतिरिक्त जिले के सभी खाद वितरण केंद्रों एवं सहकारी समितियों (सोसायटी) पर, जिन-जिन गांवों के किसानों को वहां से खाद उपलब्ध कराया जाता है, उन सभी गांवों के किसान किसान गर्जना संगठन के बैनर तले एकत्रित होकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे तथा संबंधित सोसायटी प्रबंधन को ज्ञापन सौंपेंगेसंगठन ने सभी किसानों से एकजुट होकर इस जनआंदोलन में भाग लेने का आह्वान किया, ताकि किसानों की समस्याओं का प्रभावी समाधान हो सके और सरकार किसानों के हित में ठोस निर्णय ले।

इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एमपी को रेलवे की नई सौगात, कानपुर सेंट्रल और मदुरै के बीच चलेगी विशेष ट्रेन, इन स्टेशनों को मिलेगा फायदा

बुधवार को कानपुर से और शनिवार को मदुरै से चलेगी विशेष ट्रेन

भोपाल (आरएनएस) । यात्रियों की सुविधा और बढ़ती यात्रा मांग को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने कानपुर सेंट्रल और मदुरै के बीच विशेष रेलगाड़ी संख्या 01925/01926 चलाने का निर्णय लिया है। इस ट्रेन के शुरू होने से उत्तर भारत के प्रमुख शहर कानपुर और दक्षिण भारत की प्रसिद्ध मंदिर नगरी मदुरै के बीच सीधी रेल कनेक्टिविटी मिलेगी। साथ ही पश्चिम मध्य रेल के बीना, भोपाल और इटारसी स्टेशन के यात्रियों को भी इसका लाभ मिलेगा।

कानपुर सेंट्रल से मदुरै का टाइम टेबल

गाड़ी संख्या 01925 कानपुर सेंट्रल-मदुरै स्पेशल प्रत्येक बुधवार को एक जुलाई से 29 जुलाई तक कुल पांच फेरों के लिए संचालित होगी। यह ट्रेन सुबह 8:10 बजे कानपुर सेंट्रल से रवाना होकर दोपहर 3:40 बजे बीना, शाम 5:20 बजे भोपाल और रात 7:25 बजे इटारसी पहुंचेगी तथा आगे मदुरै जाएगी।

वापसी में मदुरै से कानपुर सेंट्रल का टाइम टेबल

वापसी में गाड़ी संख्या 01926 मदुरै-कानपुर सेंट्रल स्पेशल प्रत्येक शनिवार को चार जुलाई से एक अगस्त तक कुल पांच फेरे लगाएगी। जिसमें यह गाड़ी इटारसी सुबह 3:05 बजे, भोपाल 5:05 बजे, बीना 8:25 बजे एवं ललितपुर 9:13 बजे ठहराव लेते हुए कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। ट्रेन में कुल 22 कोच रहेंगे, जिनमें चार सामान्य श्रेणी, आठ स्लीपर, सात थर्ड एसी, एक सेकंड एसी और दो एसएलआर कोच शामिल हैं। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले समय-सारणी और आरक्षण स्थिति की जानकारी जांचने की अपील की है।

मप्रः भू-अभिलेखों के डिजिटाइजेशन से राजस्व सेवाएं होंगी अधिक प्रभावी, भूमि रिकॉर्ड प्राप्त करना होगा आसान

- भोपाल एवं सागर संभाग के 11 जिलों में जुलाई से शुरू होगा अगला चरण

भोपाल, (आरएनएस)। डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत मध्य प्रदेश में चरणबद्ध रूप से डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के माध्यम से राज्य के लगभग 15 करोड़ पुराने भू-अभिलेख रिकॉर्ड का आधुनिकीकरण किया जाएगा, जिसके लिए दस्तावेज प्रबंधन प्रणाली और डीबीईएस सॉफ्टवेयर विकसित किए जा रहे हैं।

जनसंपर्क अधिकारी जूही श्रीवास्तव ने सोमवार को बताया कि प्रदेश के नागरिकों को भूमि संबंधी सरकारी अभिलेखों की सहज, त्वरित और पारदर्शी उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ पुराने भू-अभिलेखों के सुरक्षित संरक्षण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से डिजिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि वर्ष 2008 में शुरू हुए राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम को 1 अप्रैल 2016 से डीआईएलआरएमपी के रूप में पुनर्गठित किया गया था। इसके तहत मॉडर्न रिकॉर्ड रूम (एमआरआर) के अंतर्गत पुराने अभिलेखों के डिजिटाइजेशन की रूपरेखा तैयार की गई। योजना के फेज-1 (2013-2020) में लगभग 3,18,82,222 दस्तावेजों और फेज-2 (2021-22) में लगभग 2,39,24,462 दस्तावेजों की स्कैनिंग का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

पन्ना पुलिस की त्वरित कार्रवाई से अपहृत युवक सकुशल दस्तयाब

10 लाख रुपये की फिरौती की मांग करने वाले आरोपियों की पहचान, गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश जारी

पन्ना (ए.) । देशभक्ति, जनसेवा" के मूल मंत्र के अनुरूप मध्यप्रदेश पुलिस ने पन्ना जिले में अपहरण के एक गंभीर प्रकरण में त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृत युवक को सकुशल दस्तयाब कर मानवीय संवेदनशीलता, तकनीकी दक्षता एवं प्रभावी पुलिसिंग का परिचय दिया है। विषम परिस्थितियों में पूरी रात चलाए गए सर्च ऑपरेशन के परिणामस्वरूप युवक को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। 27 जून की रात्रि लगभग 8:00 बजे थाना पवई क्षेत्र से सूचना प्राप्त हुई कि स्थानीय कपड़ा व्यापारी राजेश कुमार डेंगरे के 20 वर्षीय पुत्र अंशुल उर्फ कान्हा का अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अपहरण कर लिया गया है तथा उसकी रिहाई के लिए 10 लाख रुपये की फिरौती की मांग की जा रही है। सूचना मिलते ही थाना पवई पुलिस ने मामले की गंभीरता से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। साथ ही तकनीकी विश्लेषण एवं डिजिटल इनपुट के लिए साइबर सेल को तत्काल सक्रिय किया गया।पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों के आधार पर संभावित स्थानों पर लगातार तलाश की। रात्रि के दौरान लगातार वर्षा, घने जंगल एवं दुर्गम मार्ग जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद पुलिस बल ने कई किलोमीटर तक पैदल सर्च अभियान संचालित किया। लगातार प्रयासों एवं सुनियोजित रणनीति के परिणामस्वरूप पुलिस टीम ने हथकुरी के समीप जंगल क्षेत्र से अपहृत युवक अंशुल उर्फ कान्हा को सकुशल दस्तयाब कर लिया। कार्रवाई के दौरान आरोपी अंधेरे का लाभ उठाकर मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश के लिए विभिन्न स्थानों पर लगातार दबिशें दी जा रही है। पुलिस द्वारा प्रकरण के सभी पहलुओं की गंभीरता एवं निष्पक्षता के साथ जांच की जा रही है। मामले में संलिप्त आरोपियों की पहचान कर ली गई है तथा उनकी शीघ्र गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीमें लगातार कार्रवाई कर रही हैं। मध्यप्रदेश पुलिस नागरिकों की सुरक्षा के प्रति पूर्णत: प्रतिबद्ध है तथा किसी भी गंभीर अपराध की सूचना पर त्वरित, प्रभावी एवं समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए सतत कार्यरत है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नीमच में नीमच व शाजापुर सोलर पार्क का उद्घाटन एवं औद्योगिक इकाइयों और विभिन्न विकास कार्यों के भूमि-पूजन व लोकार्पण कार्यक्रम में विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

मकान निर्माण में धोखाधड़ी करने के आरोप में शासकीय ठेकेदार को पांच वर्ष की जेल

दतिया, (ए.)। मध्य प्रदेश के दतिया में मकान निर्माण के नाम पर लाखों रुपये लेकर अधूरा काम छोड़ने वाले शासकीय ठेकेदार और कांग्रेस के पूर्व संगठन मंत्री सुरेश झा को अदालत ने सोमवार को दोषी ठहराते हुए पांच वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश सविता जड़िया की अदालत ने आरोपी पर 3 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। करीब चार वर्ष पुराने इस मामले में अभियोजन की ओर से प्रस्तुत पीडब्ल्यूडी की तकनीकी वैल्यूएशन रिपोर्ट और अन्य साक्ष्य अदालत के फैसले का आधार बने।वर्ष 2021 में शारदा विहार कॉलोनी निवासी राजेंद्र दीक्षित और उनकी पत्नी ने अपने प्लॉट पर मकान निर्माण के लिए शासकीय ठेकेदार सुरेश झा से अनुबंध किया था। दंपती ने निर्माण कार्य के लिए ठेकेदार को कुल 20.45 लाख रुपये का भुगतान किया, लेकिन तय समय बीतने के बाद भी मकान का निर्माण पूरा नहीं हुआ। बार-बार मांगने पर न तो शेष काम कराया गया और न ही बची हुई राशि लौटाई गई। मामले की जांच के दौरान पीडब्ल्यूडी के एसडीओ ने निर्माणाधीन मकान का तकनीकी मूल्यांकन कराया। रिपोर्ट में सामने आया कि मौके पर केवल 11 लाख रुपये के निर्माण कार्य की पुष्टि हुई, जबकि करीब 9.45 लाख रुपये का हिसाब नहीं मिला।

पनागर में बाबड़ी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन

जल स्त्रोतों के सरंक्षण में समुदाय की सहभागिता आवश्यक : विधायक सुशील तिवारी इंदु

जबलपुर (ए.)। जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आजाद वार्ड पनागर स्थित बावड़ी परिसर में विधायक सुशील तिवारी इंदु के मुख्य आतिथ्य तथा जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्य आनंद जैन मिन्चु, एसडीएम अभिषेक सिंह एवं तहसीलदार गौरव पांडे की उपस्थिति में बावड़ी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर विधायक सुशील तिवारी इंदु ने अपने उद्बोधन में जल बचाने, पौधारोपण करने, प्राकृतिक धरोहरों को बचाने के लिये समुदाय की सहभागिता को जरूरी बताया। एसडीएम जबलपुर अभिषेक सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यो में जन सहयोग आवश्यक है।कार्यक्रम के प्रारंभ में जन अभियान परिषद के विकासखण्ड समन्वयक भारत महरोलिया ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बाबड़ी उत्सव कार्यक्रम की प्रस्तावना एवं उद्देश्यों से सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम के समापन पर बाबड़ी प्रांगण में अतिथियों की उपस्थिति में आम एवं अमरूद के पौधे रोपे गये तथा सभी को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई।

जंगल में 200 एकड़ वनभूमि खाली कराने 30 जेसीबी और 600 अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ पहुंची टीम

एक दिन पहले हमले में 8 वनकर्मी हुए थे घायल

खंडवा, (ए.)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में आमाखुजरी जंगल में वनभूमि पर दोबारा हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए सोमवार सुबह प्रशासन ने बड़े स्तर पर अभियान शुरू किया। वन, राजस्व और पुलिस विभाग के करीब 600 अधिकारी-कर्मचारी सुबह 7 बजे से 30 जेसीबी मशीनों के साथ कार्रवाई में जुटे हैं। अभियान के दौरान जंगल के विभिन्न हिस्सों में पुलिस बल तैनात किया गया है। मौके पर डीएफओ राकेश कुमार डामोर और एडिशनल एसपी महेंद्र तारणेकर मौजूद हैं, जबकि कलेक्टर ऋषभ गुप्ता और एसपी अगम जैन भी कार्रवाई का जायजा लेने पहुंचे। कार्रवाई की शुरुआत अतिक्रमणकारियों द्वारा बनाई गई 13 झोपड़ियों को हटाने से हुई। इन्हीं झोपड़ियों में रहकर जंगल की जमीन साफ कर खेती की तैयारी की गई थी। इसके बाद जेसीबी मशीनों से बड़े-बड़े कंटूर खोदे जा रहे हैं, ताकि भविष्य में दोबारा खेती या अतिक्रमण न हो सके।यह कार्रवाई एक दिन पहले रविवार को वन अमले पर हुए हिंसक हमले के अगले दिन शुरू की गई है। अतिक्रमण रोकने पहुंची वन विभाग की टीम पर करीब 400 अतिक्रमणकारियों ने महिलाओं को आगे कर गोफन और पत्थरों से हमला कर दिया था।

व्यापार समाचार

हॉर्मुज स्ट्रेट से बिना टोल गुजरे भारत के 12 एलपीजी जहाज : हरदीप पुरी

नई दिल्ली (ए.) । केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि भारत के 12 एलपीजी जहाजों ने हॉर्मुज स्ट्रेट बिना टोल दिए पार किया है, साथ ही कुकिंग गैस का उत्पादन बढ़ाने के लिए तेजी से रिफाइनरियों में बदलाव किए। इन उपायों ने देश को आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी ऊर्जा आपूर्ति में रुकावट से निपटने में मदद की।चार महीने तक होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से आई चुनौतियों का जिक्र करते हुए पुरी ने कहा कि सरकार ने बिना रुकावट ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं को इस व्यवधान के असर से बचाने के लिए कई आपातकालीन उपाय किए।

उन्होंने कहा, "जब दुनिया ऊर्जा के सबसे बुरे संकटों में से एक और बाधित आपूर्ति श्रृंखलाओं का सामना कर रही थी, तब पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने ऊर्जा उपभोक्ताओं को किसी भी नकारात्मक असर से प्रभावी ढंग से बचाया।" मंत्री ने कहा कि भारत ने कच्चे तेल के आयात के स्रोतों में विविधता लाकर, एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर

का विस्तार करके और कई देशों से एलपीजी की वैकल्पिक सप्लाई सुनिश्चित करके घरेलू उपभोक्ताओं को सप्लाई की कमी से बचाया।

उन्होंने कहा कि सरकार के कदमों से यह सुनिश्चित हुआ कि ग्लोबल एनर्जी संकट के बावजूद कुकिंग गैस और ईंधन की सप्लाई स्थिर बनी रही।

संकट के दौरान उठाए गए कदमों में मार्च में ईंधन पर सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती भी शामिल थी।

उन्होंने कहा, "घरों तक पहुंचने वाली कुकिंग गैस की पूरी सुरक्षा की गई और कालाबाजारी करने वालों द्वारा इस कीमती सप्लाई की हेराफेरी रोकने के लिए डिजिटल ऑथेंटिकेशन कोड जरूरी कर दिया गया।" पुरी ने बताया कि जिन रिफाइनरियों में पहले कभी कुकिंग गैस का उत्पादन नहीं हुआ था, उनमें उत्पादन बढ़ाने के लिए कुछ ही दिनों में बदलाव किए गए। नतीजतन, एलपीजी का उत्पादन 35 हजार मीट्रिक टन (टीएमटी) प्रतिदिन से बढ़कर 54 टीएमटी प्रतिदिन हो गया।उन्होंने आगे कहा कि भारत ने अल्जीरिया, जापान और कनाडा जैसे देशों के साथ एलपीजी सप्लाई के नए इंतजाम किए, साथ ही घरेलू मांग को पूरा करने के लिए अमेरिका से अतिरिक्त खेप हासिल कीं।

एचडीएफसी बैंक के पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती ने लीगल रिव्यू पर खड़े किए सवाल, रिपोर्ट्स पर जताई आपत्ति

मुंबई (ए.)। एचडीएफसी बैंक की ओर से पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के इस्तीफे के रिव्यू के लिए नियुक्त की गई लीगल फर्मों 1 ने काफी नियम एवं शर्तों के साथ रिपोर्ट जमा की है। इसमें बैंक के इंटरव्यू और बोर्ड मीटिंग के मिनट्स पर फोकस किया गया है। यह जानकारी चक्रवर्ती के हवाले से एक रिपोर्ट में दी गई।एनडीटीवी प्रॉफिट से बातचीत में चक्रवर्ती ने कहा कि उनका इस्तीफा बैंक की कुछ बिजनेस प्रैक्टिस और पर्सनल वैल्यू में अंतर को लेकर था और इसके जरिए कोशिश बैंक को अंतरिक समीक्षा के लिए प्रेरित करना था। लेकिन उनका कहना है कि लॉ फर्मों ने इसके बजाय अनुपालन के पहलू पर ध्यान केंद्रित किया। चक्रवर्ती का कहना है कि उन्होंने कई बार बैंक से पूछा कि आखिर किस कानूनी प्रावधान और शर्तें के तहत इन लॉ फर्मों को नियुक्त किया गया।

10,000 से अधिक ऑनलाइन पैसे भेजने पर लग सकता है एक घंटे का 'कूलिंग-ऑफ', आरबीआई बदलने जा रही नियम

नई दिल्ली (ए.)। देश में तेजी से बढ़ रहे डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन ठगी के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) नए सुरक्षा उपायों पर विचार कर रहा है। प्रस्ताव के अनुसार, यदि कोई ग्राहक 10,000 से अधिक का ऑनलाइन ट्रांसफर करता है, तो उस लेन-देन को पूरा होने से पहले एक घंटे का अनिवार्य 'कूलिंग-ऑफ पीरियड' लागू किया जा सकता है। इस दौरान ग्राहक चाहे तो संदिग्ध लेन-देन को रोक या रद्द भी कर सकेगा।

आरबीआई का मानना है कि यह व्यवस्था उन मामलों में प्रभावी साबित होगी, जहां साइबर अपराधी लोगों को डराकर, झांसा देकर या दबाव बनाकर तुरंत पैसा ट्रांसफर करवाते हैं। ऐसे मामलों को बैंकिंग क्षेत्र में ऑथराइज्ड पुश पेमेंट (APP) फ्रॉड कहा जाता है।

बैंकों ने किया समर्थन, लेकिन जताई चिंता

बैंकिंग उद्योग ने इस प्रस्ताव का स्वागत करते हुए कहा है कि इससे डिजिटल धोखाधड़ी पर काफी हद तक रोक लग सकती है। हालांकि, बैंकों ने यह भी सुझाव दिया है कि नियमों को व्यावहारिक बनाया जाए ताकि आम ग्राहकों को रोजमर्रा के भुगतान में अनावश्यक परेशानी न हो। बैंकों का कहना है कि यदि कोई व्यक्ति दुकान पर महंगा मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक सामान या अन्य जरूरी वस्तु खरीद रहा हो, तो उसे भुगतान पूरा होने के लिए एक घंटे तक इंतजार करना पड़ सकता है। इसलिए इस व्यवस्था में कुछ विशेष परिस्थितियों के लिए छूट या लचीलापन होना चाहिए।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए 'ट्रस्टेड पर्सन' का प्रस्ताव

आरबीआई ने 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग व्यक्तियों की सुरक्षा के लिए भी नई व्यवस्था का सुझाव दिया है। प्रस्ताव के मुताबिक, यदि ऐसे ग्राहक 50,000 से अधिक का डिजिटल भुगतान करते हैं, तो पहले से नामित 'ट्रस्टेड पर्सन' यानी भरोसेमंद व्यक्ति की मंजूरी लेना अनिवार्य किया जा सकता है। यदि ग्राहक भविष्य में इस भरोसेमंद व्यक्ति को बदलता है, तो नए व्यक्ति के सक्रिय होने से पहले 24 घंटे का कूलिंग-ऑफ पीरियड भी लागू करने का सुझाव दिया गया है, ताकि धोखाधड़ी की आशंका कम की जा सके।

आपातकालीन भुगतान में आ सकती है दिक्कत

हालांकि बैंकों ने इस पहल की मंशा की सराहना की है, लेकिन इसके व्यावहारिक पहलुओं को लेकर चिंता भी जताई है। उनका कहना है कि यदि कोई वरिष्ठ नागरिक अस्पताल, डायग्नोस्टिक सेंटर या किसी अन्य आपात स्थिति में भुगतान करना चाहता है और उस समय नामित व्यक्ति उपलब्ध नहीं है, तो जरूरी भुगतान में देरी गंभीर समस्या पैदा कर सकती है।

बैंकों पर बढ़ेगा तकनीकी और वित्तीय बोझ

इस नई प्रणाली को लागू करने के लिए बैंकों को अपने डिजिटल पेमेंट सिस्टम में व्यापक बदलाव करने होंगे। इसके लिए ट्रांजैक्शन होल्ड सिस्टम, भुगतान रद्द करने की सुविधा, नई सेटलमेंट प्रक्रिया और अतिरिक्त तकनीकी ढांचे का विकास करना होगा, जिससे बैंकों पर भारी लागत आएगी। बैंकिंग क्षेत्र का कहना है कि पहले से ही यूपीआई पर जीरो मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) लागू होने के कारण उन्हें डिजिटल भुगतान सेवाओं से कोई प्रत्यक्ष आय नहीं होती, जबकि पूरे डिजिटल भुगतान ढांचे को बनाए रखने और विस्तार देने में हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये खर्च करने पड़ते हैं।

वैश्विक स्तर पर स्थिरता लौटने से सोने में गिरावट बढ़ी, चांदी का दाम भी 2.23 लाख के करीब पहुंचा

मुंबई (ए.) । सोने और चांदी की शुरुआत सोमवार को गिरावट के साथ हुई। इससे सोने का दाम 1.44 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी का दाम 2.23 लाख के करीब पहुंच गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) के मुताबिक, सोने का 5 अगस्त, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,44,162 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,44,180 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

शुरुआती कारोबार में ही इसमें गिरावट देखने को मिली और यह सुबह 9:40 पर 507 रुपए या 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,43,655 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,43,454 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,44,180 रुपए का प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है, जो कि इसका ओपनिंग प्राइस भी था। सोने के अपेक्षा चांदी में सपाट कारोबार हो रहा है।

अदाणी मामले में अमेरिकी जज का आदेश सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा : कानून विशेषज्ञ

वॉशिंगटन(ए.)। उद्योगपति गौतम अदाणी के खिलाफ आपराधिक आरोप हटाने की जस्टिस डिपार्टमेंट की अर्जी मंजूर करने से पहले, अमेरिकी फेडरल जज का डिपार्टमेंट से और अधिक जानकारी मांगने का फैसला एक सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है और इससे मामले के रद्द होने पर प्रक्रिया पर शायद ही कोई असर होगा। यह जानकारी अमेरिकी और भारतीय विशेषज्ञ की ओर से आईएएनएस को दी गई।

साथ ही कहा कि मुकदमा चलाने या न चलाने का फैसला आखिरकार कार्यकारी शाखा के हाथ में होता है।

कोलंबिया लॉ स्कूल में लॉ के एडॉल्फ ए. बर्ले प्रोफेसर और सिक्योरिटीज लॉ व कॉर्पोरेट मुकदमों के मामलों में अमेरिका के प्रमुख विशेषज्ञों में से एक, जॉन सी. कॉफी ने कहा कि जज निकोलस गैराफिस अभियोजकों से उनके फैसले को सही ठहराने के लिए कह सकते हैं, लेकिन वे एग्जीक्यूटिव ब्रांच के फैसले की जगह कोर्ट का फैसला नहीं थोप सकते।

कॉफी ने आईएएनएस से कहा, सामान्यत:, हमारे संविधान के तहत, अभियोजन संबंधी विवेकाधिकार

को एक कार्यकारी शक्ति के रूप में देखा जाता है, जो अंतत: राष्ट्रपति के पास होती है, क्योंकि वह कार्यपालिका शाखा के प्रमुख हैं।

उन्होंने कहा, हालांकि कोर्ट वजह पूछ सकती है, लेकिन वह प्रॉसिक्यूटर के फैसले को पलट नहीं सकती, क्योंकि हमारे संविधान के तहत शक्तियों के बंटवारे के अनुसार यह फैसला लेने का अधिकार कार्यपालिका के पास है। कोर्ट का यह फैसला असामान्य है और इसे इतना नहीं बढ़ाया जा सकता कि कोर्ट प्रॉसिक्यूटर के केस खत्म करने के फैसले की गहराई से समीक्षा कर सके।

कॉफी का यह आकलन तब आया है, जब जज गैराफिस ने जस्टिस डिपार्टमेंट को आदेश दिया था कि वह अदाणी और सात अन्य आरोपियों के खिलाफ लगे आरोपों को 'हमेशा के लिए'खत्म करने की अपनी अपील के लिए विस्तृत कारण और सहायक तथ्य पेश करे। पांच पेज के आदेश में जज ने कहा कि सरकार की संक्षिप्त अर्जी में इतनी जानकारी नहीं थी कि कोर्ट 'फेडरल रूल्स ऑफ क्रिमिनल प्रोसीजर' के नियम 48(ए) के तहत अपनी जिम्मेदारियां निभा सके।

जस्टिस डिपार्टमेंट ने सिर्फ इतना कहा था कि उसने मामले की समीक्षा की है और अपने अभियोजन संबंधी अधिकार का इस्तेमाल करते हुए यह फैसला किया है कि आपराधिक आरोपों को आगे बढ़ाने में और संसाधन नहीं लगाए जाएंगे।

अमेरिका की पूर्व अटॉर्नी बारबरा मैकक्वेड ने कहा कि जज की यह मांग असामान्य थी, लेकिन न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए यह कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में थी।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

पाकिस्तान विडंबना का नायाब उदाहरण

कोई देश बड़ा भू-राजनीतिक मूल्य रख सकता है। मगर उसके साथ ही अपने राष्ट्रीय विकास की क्षमता के अभाव से वह ग्रस्त भी बना रह सकता है। पाकिस्तान इस विडंबना का नायाब उदाहरण है। ईरान- अमेरिका के बीच समझौता कराने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा कर पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में है। उसके योगदान की तारीफ अमेरिका और ईरान के साथ-साथ अन्य देशों ने भी की है। इसके बावजूद अपनी नई कूटनीतिक हैसियत का पाकिस्तान अपने राष्ट्रीय हित मे ज्यादा फायदा उठा सकेगा, ऐसा मानने वाले लोग कम ही हैं। वजह यह तथ्य है कि रणनीतिक स्थिति से बनने वाली हैसियत (या उस कारण मिलने वाली बाहरी वित्तीय या राजनीतिक मदद) और राष्ट्र निर्माण की किसी राज्य की क्षमता- समान चीजें नहीं हैं। अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण पाकिस्तान कई महत्त्वपूर्ण देशों के लिए खास रहा है। चीन के लिए वह कीमती रणनीतिक भागीदार है। चीन उसका इस्तेमाल भारत की शक्ति को संतुलित करने के लिए करता है। साथ ही अरब सागर तक जाने वाले एक गलियारे के रूप में चीन के लिए उसकी अहमियत है। अमेरिका के लिए पाकिस्तान कारणों से उपयोगी है। अफगानिस्तान और ईरान तक पहुंच, पश्चिम को निशाने बनाने वाले आतंकवाद का मुकाबला, और चीन की रणनीतिक गतिविधियों को सीमित करने के लिहाज से अमेरिका उसे अहमियत देता है। अपनी परमाणु एवं अन्य सैन्य क्षमता के कारण वह सऊदी अरब एवं अन्य खाड़ी देशों के लिए महत्त्वपूर्ण है। इन वजहों से उसे वित्तीय एवं कूटनीतिक मदद भी मिलती है। लेकिन हकीकत यही है कि पाकिस्तान ने बाहरी मदद को अपनी औद्योगिक क्षमता, वित्तीय ताकत और टिकाऊ घरेलू शासन में बदलने में पूर्णत: विफल रहा है। वह आज भी सैन्य नेतृत्व वाला सुरक्षा-केंद्रित राज्य बना हुआ है। बेशक उसने लंबे समय से अपनी रणनीतिक स्थिति का फायदा उठाकर कई महाशक्तियों से पैसा और संसाधन बटोरे हैं। फिर भी उसे आगे बढ़ते या अपनी उभरती शक्ति वाले देश के रूप में नहीं देखा जाता। तो असली सबक यही है कि कोई देश बड़ा भू-राजनीतिक मूल्य रख सकता है। मगर साथ ही उस मूल्य को अपने राष्ट्रीय विकास में बदलने की संस्थागत क्षमता के अभाव से वह ग्रस्त भी बना रह सकता है। पाकिस्तान इस विडंबना का नायाब उदाहरण है। अमेरिका- ईरान समझौते में उसकी अहम भूमिका के बावजूद यह वास्तविकता नहीं बदलने वाली है।

फ़िर पेपर लीक: अंदरूनी विश्वासघात- घर का भेदी लंका ढाए -युवाओं के भविष्य की चोरी या व्यवस्था की सबसे बड़ी विफ़लता व कमजोरी?

महाराष्ट्र टीईटी पेपर 2026 लीक से उठे सवाल- समग्र व्यापक विश्लेषण

-एडवोकेट किस सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर घर का भेदी लंका ढाए,यह कहावत आज भारत की परीक्षा प्रणाली पर पहले से कहीं अधिक सटीक बैठती दिखाई देती है।कभी पानी की पाइपलाइन,गैस लाइन या टैंकर लीक होने की खबरें चर्चा का विषय होती थीं,लेकिन आज लीक शब्द सुनते ही लोगों के मन में पहला प्रश्न आता है, आज किस परीक्षा का पेपर लीक हुआ? यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक और ज्ञान- आधारित समाज के लिए अत्यंत चिंताजनक है। किसी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होना केवल एक प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि लाखों युवाओं के वर्षों के परिश्रम, सपनों और भविष्य की खुली चोरी है। जब एक विद्यार्थी दिन-रात मेहनत करके परीक्षा केंद्र तक पहुंचता है और अंतिम क्षणों में परीक्षा रद्द या स्थगित कर दी जाती है, तो उसका केवल समय और धन ही नहीं, बल्कि व्यवस्था पर विश्वास भी टूटता है। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (महा टेट 2026) का परीक्षा से ठीक पहले स्थगित होना इसी गहरी बीमारी का सटीक ताजा उदाहरण है। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा रविवार 28 जून 2026 को आयोजित थी, किंतु एक दिन पहले ठाणे के भिवंडी क्षेत्र में पुलिस द्वारा पेपर लीक रैकेट का भंडाफोड़ किए जाने के बाद सरकार को परीक्षा तत्काल स्थगित करनी पड़ी। प्रारंभिक जांच में वास्तविक प्रश्नपत्र आरोपियों के पास मिलने की पुष्टि ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह कोई अफवाह नहीं, बल्कि संगठित अपराध था।लाखों अभ्यर्थियों की तैयारी,यात्रा, मानसिक तनाव और भविष्य एक झटके में अधर में लटक गया। यह घटना केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश की परीक्षा प्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब राष्ट्रीय स्तर पर पेपर लीक की घटनाओं के बाद परीक्षा प्रणाली को लीक-प्रूफ बनाने के दावे किए गए थे,तब फिर ऐसी घटनाएं कैसे हो रही हैं? यदि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो चुकी है,तो प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले अपराधियों तक कैसे पहुंच गया? इसका उत्तर केवल तकनीकी कमजोरी में नहीं, बल्कि व्यवस्था के भीतर मौजूद मानवीय भ्रष्टाचार और संस्थागत मिलीभगत में छिपा है। पेपर लीक की लगभग हर बड़ी घटना यह संकेत देती है कि यह केवल बाहरी अपराधियों का काम नहीं होता। प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर मुद्रण, पैकेजिंग, परिवहन, सुरक्षित भंडारण और वितरण तक अनेक चरण होते हैं। इनमें किसी भी स्तर पर यदि कोई व्यक्ति धन, प्रभाव या लालच के कारण गोपनीयता

तोड़ देता है, तो पूरी सुरक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो जाती है। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अधिकांश पेपर लीक बाहरी हमला नहीं, बल्कि अंदरूनी विश्वासघात होते हैं। वास्तव में घर का भेदी लंका ढाए वाली स्थिति ही इस समस्या का मूल है।

साथियों, महाराष्ट्र मामले की जांच में सामने आए तथ्यों ने भी इसी ओर संकेत किया। पुलिस को गुप्त सूचना मिलने के बाद अंडरकवर ऑपरेशन चलाया गया। अधिकारियों ने स्वयं को पेपर खरीदने वाला ग्राहक बताकर आरोपियों से संपर्क किया और दो दिनों तक उनकी गतिविधियों पर निगरानी रखी। बड़ी धनराशि का लालच देकर सौदे के लिए बुलाया गया और जैसे ही प्रश्नपत्र सौंपा गया, तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में दिल्ली सहित कई राज्यों तक फैले अंतरराज्यीय नेटवर्क के संकेत मिले, जिसके बाद विशेष जांच दल ने विभिन्न राज्यों में जांच शुरू की। इससे स्पष्ट है कि पेपर लीक अब छोटे स्तर का अपराध नहीं रहा, बल्कि यह करोड़ों रुपये के संगठित आपराधिक नेटवर्क का रूप ले चुका है। आज डिजिटलतकनीक ने जहां सुविधाएं बढ़ाई हैं, वहीं अपराधियों को भी नए माध्यम उपलब्ध करा दिए हैं। व्हाट्सऐप, टेलीग्राम और अन्य एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर कुछ ही मिनटों में प्रश्नपत्र हजारों लोगों तक पहुंच सकता है। इसलिए केवल प्रिंटिंग प्रेस की सुरक्षा पर्याप्त नहीं है। साइबर सुरक्षा, डिजिटल निगरानी और डेटा सुरक्षा को भी समान महत्व देना होगा। यदि डिजिटल चैनल सुरक्षित नहीं होंगे, तो कोई भी गोपनीय दस्तावेज सुरक्षित नहीं रह सकता।

साथियों, पेपर लीक का सबसे बड़ा नुकसान केवल परीक्षा स्थगित होना नहीं है। इसका सबसे गंभीर प्रभाव युवाओं के मनोविज्ञान पर पड़ता है। वर्षों की मेहनत करने वाला छात्र स्वयं को ठगा हुआ महसूस करता है। वह सोचने लगता है कि मेहनत से अधिक महत्व पैसे, पहुंच और भ्रष्ट नेटवर्क का है। यह भावना प्रतिभाशाली युवाओं में निराशा, अविश्वास और मानसिक तनाव को जन्म देती है। यदि यह स्थिति लगातार बनी रही,तोइसका प्रभाव केवल शिक्षा पर नहीं, बल्कि देश की प्रशासनिक गुणवत्ता,सामाजिक विश्वास और आर्थिक विकास पर भी पड़ेगा।भारत के लिए यह समय केवल अपराधियों की गिरफ्तारी तक सीमित रहने का नहीं, बल्कि पूरी परीक्षा प्रणाली के पुनर्गठन का है। केवल पेपर लीक होने के बाद एसआईटी बनाना और कुछ गिरफ्तारियां करना पर्याप्त समाधान नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिसमें पेपर लीक होना तकनीकी और प्रशासनिक रूप से लगभग सटीकता से असंभव हो जाए।

साथियों, इस संदर्भ में विश्व के अनेक देशों ने अत्यंत प्रभावी मॉडल विकसित किए हैं, जिनसे भारत महत्वपूर्ण सीख ले सकता है। चीन की राष्ट्रीय विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा गाओकाओ को दुनिया की सबसे सुरक्षित परीक्षाओं में माना जाता है। वहां प्रश्नपत्रों को राष्ट्रीय गोपनीय दस्तावेज का दर्जा प्राप्त है। प्रश्नपत्रों की छपाई अत्यधिक सुरक्षित परिसरों में होती है और उनका परिवहन बख्तरबंद वाहनों, जीपीएस ट्रैकिंग, वीडियो निगरानी तथा सशस्त्र सुरक्षा के बीच किया जाता है। परीक्षा केंद्रों पर बायोमेट्रिक सत्यापन, फेस रिकग्निशन, एआई कैमरे, रेडियो जैमर और इलेक्ट्रॉनिक डिटेक्शन सिस्टम का उपयोग किया जाता है। वहां पेपर लीक केवल अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के विरुद्ध गंभीर अपराध माना जाता है।अमेरिका ने एक अलग रास्ता अपनाया है। वहां विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षाओं में तेजी से डिजिटल प्रणाली लागू की गई है। प्रश्नपत्रों की लंबी अवधि तक भौतिक रूप में उपलब्धता समाप्त कर दी गई है।

विपक्ष भाजपा के लिए वरदान की तरह

अजीत द्विवेदी

विपक्षी पार्टियां सरकार से लड़ने के लिए कितना सुविधानजक रास्ता चुनती हैं इसकी मिसाल 'इंडिया' ब्लॉक की आठ जून को हुई बैठक है। इस बैठक में विपक्षी पार्टियों के बीच पांच प्रस्तावों पर सहमति बनी। मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। इनमें से दो मुद्दे तो विपक्षी गठबंधन के अंदर आपसी तालमेल से जुड़े हैं। बैठक में यह तय किया गया कि हर दो महीने में 'इंडिया' ब्लॉक की बैठक होगी। इस लिहाज से अगली बैठक के लिए आठ अगस्त का दिन तय किया गया। आठ अगस्त को हैदराबाद में अगली बैठक होगी। इसके अलावा एक सहमति इस पर बनी कि संसद के मानसून सत्र में विपक्ष की सभी पार्टियां हर दिन कार्यवाही शुरू होने से पहले बैठक करेंगी। यह पहले से भी होता था। सुबह 10 बजे राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के चैम्बर में विपक्ष की बैठक होती थी। इसलिए इसमें कुछ नया नहीं है।

विपक्ष की बैठक में बाकी जिन तीन प्रस्तावों पर सहमति बनी वो देश के सामने मौजूद ज्वलंत समस्याओं से जुडे हैं। पहला प्रस्ताव मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर है। विपक्षी पार्टियों ने तय किया कि एसआईआर में निष्पक्षता को लेकर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को चिट्ठी लिखी जाएगी। एक प्रस्ताव यह स्वीकार किया गया कि नीट यूजी की परीक्षा के पेपर लीक होने और सीबीएसई की 12वीं की बोर्ड परीक्षा में हुई गड़बड़ी के लिए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग जाएगा। तीसरी सहमति इस प्रस्ताव पर बनी कि महंगाई और बेरोजगारी को लेकर सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने की अपील की जाएगी। इस पूरे मामले में आंदोलन करने का एक भी प्रस्ताव नहीं लाया गया। किसी ने यह जरुरत नहीं समझी कि महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक, एसआईआर को लेकर लगातार चलने वाला जन आंदोलन शुरू किया जाए और सरकार को जनता की नजर में जवाबदेह बनाया जाए।

सोचें, इससे पहले कब ऐसा विपक्ष देखने को मिला था, जो लगातार हो रहे पेपर लीक और छात्रों की परेशानी को लेकर अपने ड्राइंग रूम में बैठे बैठे शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगे! कब ऐसा विपक्ष रहा था, जो महंगाई और बेरोजगारी पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग करे! जब भाजपा विपक्ष में थी यानी 2014 से पहले तो गैस सिलेंडर में 10 रुपए की बढ़ोतरी या पेट्रोल, डीजल की कीमत में एक रुपए की बढ़ोतरी के खिलाफ सड़क पर उतरती थी। चीनी और तेल की महंगाई के खिलाफ खुद कांग्रेस के आंदोलन की वजह से ढाई साल की मोरारजी देसाई सरकार 1980 में चुनाव हार गई थी। 1998 में प्याज की कीमतों पर राजधानी दिल्ली में भाजपा की सरकार चली गई थी। लेकिन अब महंगाई बेतहाशा बढ़ रही है और बेरोजगारी कहां जाकर रूकेगी इसका अंदाजा किसी को नहीं है लेकिन विपक्ष कह रहा है कि इस पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। सर्वदलीय बैठक होगी तो विपक्ष के नेता अपने वातानुकूलित ड्राइंग रूम से निकल कर, वातानुकूलित गाड़ी में बैठ कर, संसद या उसकी एनेक्सी के किसी वातानुकूलित कक्ष में पहुंच जाएंगे, जहां चाय, पकौड़ी खाते हुए महंगाई और बेरोजगारी पर चर्चा होगी और अखबारों में कहीं सिंगल कॉलम की खबर बनेगी।

इसी तरह से एसआईआर का मामला है। बिहार सबसे पहला राज्य था, जहां एसआईआर हुआ। उस समय बिहार में विधानसभा का चुनाव होने वाला था तो राहुल गांधी ने एसआईआर को लेकर 15 दिन तक यात्रा की थी। हालांकि राजद के तेजस्वी यादव इसे लेकर बहुत सहज नहीं थे। फिर भी वे साथ घूमे।

लेकिन उसके बाद राहुल गांधी ने एसआईआर को लेकर कोई ठोस पहल नहीं की। पश्चिम बंगाल चुनाव के बाद विपक्ष को फिर लग रहा है कि एसआईआर का उनको नुकसान हो सकता है। बंगाल में 27 लाख से ज्यादा नाम तार्किक विसंगति के आधार पर काट दिए गए।

इन लोगों के पास दस्तावेज हैं और न्यायाधिकरण में उन दस्तावेजों की जांच के बाद 60 फीसदी लोगों को वैध मतदाता माना जा रहा है। इसका अर्थ है कि तार्किक विसंगति के आधार पर जिन 27 लाख लोगों के नाम कटे हैं उनमें से 22 लाख वैध मतदाता हो सकते हैं। अगर इनके नाम नहीं कटते तो बंगाल का चुनाव नतीजा अलग भी हो सकता था। विपक्ष को यह अंदाजा है कि एसआईआर और परिसीमन दो ऐसी चीजें हैं, जिनके दम पर भाजपा 2029 का चुनाव जीतने की रणनीति बना रही है। लेकिन उस एसआईआर के खिलाफ आंदोलन करने और लोगों को जागृत करने की बजाय विपक्ष चीफ जस्टिस को चिट्ठी लिखेगा।

विपक्ष जब महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग करने लगे, लगातार हो रहे पेपर लीक को लेकर सोशल मीडिया में पोस्ट लिख कर शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगे और पूरे चुनाव की दशा और दिशा बदल देने वाले एसआईआर जैसे अभियान पर चिट्ठी लिख कर अपनी शंका जाहिर करे तो समझ लेना चाहिए कि विपक्ष के अंदर सड़क पर उतर कर संघर्ष करने और जन आंदोलन खड़ा करने की क्षमता समाप्त हो गई है। वह सुविधाभोगी और आरामतलब हो गया है। सवाल है कि क्या विपक्ष को जमीनी हकीकत और जनता के मूड का बिल्कुल अंदाजा नहीं है? वर्तमान स्थिति को लेकर खास कर पेपर लीक और सीबीएसई की गड़बड़ियों पर जैसा असंतोष और गुस्सा लोगों के अंदर है वह कॉकरोच जनता पार्टी के सोशल मीडिया अकाउंट के फॉलोअर्स की संख्या से जाहिर हुआ।

उसके आंदोलन में जिस तरह से स्वंयस्फूर्त तरीके से हजारों लोग जुटे उससे भी जाहिर हुआ है कि लोग उद्वेलित हैं और जरुरत उनके गुस्से को सही दिशा देने की है। लेकिन विपक्ष इस मौके का लाभ नहीं उठाएगा और लेकिन दूसरी ओर सत्तापक्ष यानी भाजपा इससे सबक लेकर या तो सुधार करेगी या नैरेटिव बदल कर इसको हैंडल करने की कोशिश करेगी। विपक्ष की आठ जून की बैठक में और भी कई चीजें देखने को मिलीं। विपक्ष का आपसी अविश्वास भी दिखा और समन्वय की कमी भी दिखी। लेकिन उसको छोड़ दें तब भी विपक्ष ने जो एजेंडा तय किया उसको देख कर यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि ऐसा विपक्ष भाजपा के लिए वरदान की तरह है।

मुक्त व्यापार समझौतों की बाढ़ में फंसता बाजार

हरिशंकर व्यास

सोचें, डोनाल्ड ट्रंप पर। अमेरिका का कैसा मजाक बना डाला है। चाहे जो कर रहे हैं मगर लोकतंत्र के तकाजे में कोई कुछ भी नहीं कर सकता। ईरान ने अमेरिका को हैसियत दिखा दी है। मेरा मानना है कि साठ दिनों बाद ईरान ही खाड़ी का मालिक होगा। दुनिया का संकट बना रहेगा। बावजूद इसके ट्रंप के झूठ, झांसे हॉट केक की तरह हैं। इसलिए भारत में भी उनका यह कहा अमृत वाक्य है कि नरेंद्र मोदी एक टफ नेगोशिएटर हैं। मोदी देखने में देवदूत जैसे लगते हैं और वे राजनीति में किलर हैं।

सवाल है क्यों ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह 'चरित्र प्रमाणपत्र' दिया? इसलिए क्योंकि दुनिया जानती है कि ज्योंहि प्रमाणपत्र मिलेगा त्योंहि मोदी और उनका मीडिया हिंदू भक्तों के बीच ट्रंपजी के कहे का घर-घर पहुंचा देगा। देखों हमारे भगवान को अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी देवदूत जैसा कहा!

ध्यान रहे, ट्रंप अपने आपको धूर्त, मास्टर सौदेबाज कहते हैं। उन्हे हर किसी को बेवकूफ बनाना आता है। वे प्रोपर्टी डीलर हैं। मिट्टी को भी सोने के भाव बेच सकते हैं। अमेरिका को जैसा अभी चूना लगा रहे हैं, वैसा एक भी राष्ट्रपति अमेरिकी इतिहास में नहीं हुआ है। ऐसे व्यापारी, सौदेबाज की पहली कला यह होती है कि सौदा करने से पहले सामने वाले को उसकी कीमत से थोड़ा ज्यादा महान महसूस करा दिया जाए।

ट्रंप ने आज ही लिखा है कि वे अपने आपको हिटलर, स्टालिन, माओं, सिकंदर आदि से बड़ा शक्तिमान मानते हैं। उन्हे भी इतिहास ऐसे ही याद करेगा। ट्रंप और नरेंद्र मोदी में फर्क यह है कि ट्रंप का लक्ष्य पृथ्वी के इतिहास का नंबर एक युगपुरुष होना है वही नरेंद्र मोदी को कलियुगी भारत का सबसे बड़ा देवता कहलाना है। एक की महानता का लेवल पृथ्वी का आधुनिक इतिहास है। वही दूसरे का कलियुगी हिंदुओं का नंबर एक भगवान बनना है। बारह साल, बारह युग! भारत में कभी चंद्रशेखर नाम के एक प्रधानमंत्री हुआ करते थे। उनके चेलों ने चालीस दिन बनाम चालीस साल के ऐसे नारे बनाए थे कि देश भर के चिरकूट उनका कीर्तन करते थे।

मेष राशि- आपकी दिनचर्या बहुत अच्छी रहेगी, आपके अंदर पॉजिटिविटी बनी रहेगी। आज आप सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आज जो भी कार्य आप हाथ में लेंगे, उसे अपनी मेहनत और लगन से पूरा करेंगे। आपकी सराहना हो सकती है। जो लोग व्यापार करते हैं, उन्हें आज उत्तम परिणाम मिल सकते हैं।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा है, आपको ज्यादातर मामलों में लाभ मिलेगा। व्यवसाय में आर्थिक लाभ के योग हैं, मित्रों के सहयोग से कुछ अच्छे अवसर मिल सकते हैं। नौकरी करने वाले जातकों को आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। आज आप माता -पिता के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे।

मिथुन राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज अपनी अद्भुत क्षमता के साथ जीवन के सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे। आज आपको नौकरी में नया प्रोजेक्ट मिल सकता है। आपके लिए आमदनी के नये रास्ते खुलेंगे।

कर्क राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा, सही योजना बनाकर ही अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रयास करें, तो आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल रहेंगे। आज आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रह सकता है।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छे अवसर लेकर आया है। कार्यक्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही किसी योजना को आज आप समझदारी से पूरा करेंगे। जिससे आप में नेतृत्व करने की क्षमता जगेगी, आपके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज अधिकारियों से आपको सराहना भी मिलेगी ।

कन्या राशि- आज आपका दिन कान्फिडेंस से भरा रहेगा। आज आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता मिलने के योग हैं। आज आपको नौकरी में बेहतर मौके मिलेंगे, जिससे उन्नति के मार्ग अवश्य खुलेंगे। आज आप अपनी मेहनत से सफलता हासिल करेंगे। आज मित्रों के घर जा सकते हैं, इससे आपकी दोस्ती मजबूत होगी।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकता है। आज आपकी नौकरी बदलने और बेहतर जगह नौकरी पाने की इच्छा पूरी हो सकती है। आपको इस दिशा में किए गए प्रयास का परिणाम अवश्य मिलेगा। आज आपको जीवनसाथी की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। आज आपको परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन आपके लिए सुखद रहेगा। आज आप जीवन में सुख समृद्धि के लिए नई योजनाएं बना सकते हैं। आज आप व्यवसाय अथवा रहने के उद्देश्य से किसी भवन निर्माण के बारे में सोच सकते हैं। आज अचल संपत्ति खरीदने का विचार भी मन में आ सकता है। आज आप अपने परिश्रमी एवं उत्साहित स्वभाव के कारण सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे, जिससे आपको सम्मान मिलेगा, दूसरे भी आपसे प्रेरित होंगे।

धनु राशि- आज का दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज आप बहुत प्रसन्न रह सकते हैं। किसी मित्र या रिश्तेदार के घर विवाहोत्सव में शामिल होने के लिए कहीं की यात्रा कर सकते हैं। नौकरी और व्यवसाय में सफलता के योग हैं।

मकर राशि- आज आपका दिन सुखद रहेगा। आज आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव आने वाला है। आज आप अपने फिटनेस को लेकर जागरूक रहेंगे। आज कार्य स्थल और व्यवसाय में बढ़ोतरी के योग हैं। आर्थिक लाभ की संभावना बन सकती है।

कुंभ राशि- आज आप अपनी मेहनत के बल पर अपने भाग्य को बदल सकते हैं। आज आपको सभी क्षेत्रों में अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। नौकरीपेशा हैं, तो कार्यस्थल पर आपको जिम्मेदारी मिल सकती हैं।

मीन राशि- आज आपका दिन अच्छा रह सकता है। आज आपको सफल होने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है, धैर्य बनाए रखें। आपका व्यक्तित्व आज लोगों को प्रभावित करने वाला रहेगा।

नैतिकता और साहित्य सामाजिक संरचना के महीन रेशे।

संजीव ठाकुर

आज का युग विज्ञान, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का युग है। मनुष्य ने विकास के अनेक शिखर छू लिए हैं, किंतु यदि उसके भीतर नैतिक मूल्यों का ह्रास हो जाए तो यह विकास विनाश का कारण भी बन सकता है। ऐसे समय में साहित्य समाज को मानवीय मूल्यों से जोड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर सामने आता है।साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद ने कहा था कि साहित्य वही है जिसमें उच्च चिंतन, स्वतंत्रता का भाव, सौंदर्य का सार और जीवन की सच्चाइयों का प्रकाश हो।

साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं होना चाहिए बल्कि मनुष्य के चरित्र-निर्माण का माध्यम हो।रवीन्द्रनाथ ठाकुर का विश्वास था मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति उसकी मानवता ही है।

साहित्य इसी मानवता को जागृत करता है। वह मनुष्य को दूसरे के दु:ख को अपना दु:ख समझना सिखाता है। भारतीय संस्कृति में नैतिकता को धर्म का मूल माना गया है। सत्य, अहिंसा, दया, करुणा, परोपकार और सहिष्णुता जैसे मूल्य केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं इन्हें साहित्य ने जन-जन तक पहुँचाया है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस के माध्यम से मर्यादा, कर्तव्य और आदर्श जीवन का संदेश दिया, वहीं कबीर ने पाखंड का विरोध करते हुए प्रेम और सत्य का मार्ग दिखाया।

साहित्य सामाजिक यथार्थ का आईना ही नहीं, उसका मार्गदर्शक भी है।यह कथन केवल एक उक्ति नहीं, मानवीय सभ्यता का सत है। जिस समाज में नैतिकता और साहित्य का सम्मान होता है, वहाँ संवेदनाएँ फलती हैं, न्याय आदर प्राप्त करता है और मनुष्य केवल भौतिक रूप से नहीं, बल्कि मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से भी समृद्ध होता है। नैतिकता मनुष्य के चरित्र का आधार है, जबकि साहित्य उसके हृदय की रक्त वाहिनी है। दोनों का समन्वय ही किसी सभ्य समाज का वास्तविक मूल है।

महात्मा गांधी का प्रसिद्ध कथन है कि सत्य और अहिंसा ही मेरे जीवन का धर्म है। उनके विचारों पर साहित्य का गहरा प्रभाव था। उन्होंने अनेक ग्रंथों से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को नैतिकता का उदाहरण बनाया।

रूसी साहित्यकार लियो टॉल्स्टॉय का मानना था कि सच्ची कला मानवता को जोड़ती है।

उनकी रचनाएँ केवल कहानियाँ नहीं, बल्कि नैतिक चेतना की पाठशाला हैं। इसी प्रकार मैक्सिम गोर्की ने साहित्य को संघर्षशील समाज की आवाज़ बताया। हिंदी के महान कवि रामधारी सिंह दिनकर ने लिखा मानव जब जोर लगाता है, पत्थर पानी बन जाता है।यह बात केवल प्रेरणा नहीं देती, बल्कि आत्मविश्वास और नैतिक साहस का भी संदेश देती है। आज समाज अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है,भ्रष्टाचार, हिंसा, उपभोक्तावाद, पारिवारिक विघटन, पर्यावरण संकट और सामाजिक असहिष्णुता। इन समस्याओं का समाधान केवल कानून से संभव नहीं है। जब तक मनुष्य के भीतर नैतिक चेतना जागृत नहीं होगी, तब तक स्थायी परिवर्तन नहीं आएगा। यह कार्य साहित्य ही कर सकता है, क्योंकि वह सीधे मनुष्य के हृदय से संवाद करता है। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में यदि साहित्य और नैतिक शिक्षा को समान महत्व दिया जाए तो भावी पीढ़ी केवल सफल ही नहीं, बल्कि संवेदनशील और उत्तरदायी नागरिक भी बनेगी। एक वैज्ञानिक, डॉक्टर, शिक्षक, प्रशासक या राजनेता तभी समाज का हित कर सकता है जब उसके भीतर नैतिकता का प्रकाश हो।

आज सोशल मीडिया और त्वरित सूचना के युग में साहित्य की भूमिका और भी बढ़ गई है। साहित्य हमें ठहरकर सोचने, आत्ममंथन करने और सही-गलत का विवेक विकसित करने की प्रेरणा देता है। वह मनुष्य को केवल बुद्धिमान नहीं, बल्कि विवेकवान बनाता है। मूलत: नैतिकता समाज की आत्मा है और साहित्य उसकी चेतना। जहाँ नैतिकता होगी, वहाँ विश्वास होगा; जहाँ साहित्य होगा, वहाँ संवेदना होगी। विश्वास और संवेदना मिलकर ही आदर्श समाज का निर्माण करते हैं। इसलिए यदि हमें समृद्ध, न्यायपूर्ण और मानवीय भारत का निर्माण करना है तो साहित्य और नैतिक मूल्यों को जीवन तथा शिक्षा के केंद्र में स्थान देना ही होगा।

समापन में महात्मा गांधी के विचार थे आप स्वयं वह परिवर्तन बनिए, जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।यही परिवर्तन साहित्य की संवेदना और नैतिकता के आलोक से संभव है। साहित्य मनुष्य को श्रेष्ठ बनाता है और श्रेष्ठ मनुष्य ही श्रेष्ठ समाज तथा श्रेष्ठ राष्ट्र का निर्माण करता है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

मंगलवार 30 जून 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

बेअदबी कानून में संशोधन नहीं हुआ तो होगी सख्त कार्रवाई, अकाल तख्त का पंजाब सरकार को एक महीने का अल्टीमेटम

अमृतसर(आरएनएस)। श्री अकाल तख्त साहिब ने पंजाब सरकार द्वारा पारित 'जागत ज्योत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) एक्ट-2026' पर गंभीर आपत्तियां जताते हुए सरकार को एक महीने के भीतर कानून में संशोधन करने के निर्देश दिए हैं। अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने स्पष्ट किया कि बेअदबी करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाने पर किसी को आपत्ति नहीं है, लेकिन सिख मर्यादा, धार्मिक शब्दावली और पंथ से जुड़े विषयों पर निर्णय लेने का अधिकार केवल सिख पंथ और अकाल तख्त का है, न कि विधानसभा का।सोमवार को श्री अकाल तख्त साहिब में हुई विशेष सुनवाई के दौरान आम आदमी पार्टी के सिख मंत्री और विधायक नंगे पैर लिखित स्पष्टीकरण के साथ पेश हुए। सुनवाई में कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और निर्दलीय विधायक भी मौजूद रहे।सुनवाई की शुरुआत में जत्थेदार ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के दो सार्वजनिक वीडियो चलवाए, जिनमें वे कथित तौर पर यह कहते सुनाई देते हैं कि यदि बेअदबी का आरोपी मानसिक रूप से अस्वस्थ हो तो उसके माता-पिता या अभिभावक को भी सजा मिल सकती है। जत्थेदार ने उपस्थित मंत्रियों और विधायकों से पूछा कि क्या ऐसा प्रावधान वास्तव में कानून में शामिल है। इस पर मंत्री स्पष्ट जवाब नहीं दे सके। इस दौरान कुछ विधायकों ने स्वीकार किया कि उन्होंने विधेयक को विस्तार से पढ़े बिना ही सदन में समर्थन दिया था। जत्थेदार ने कहा कि यदि सरकार सिख धर्म से जुड़े किसी कानून में बदलाव करना चाहती है तो उसे पहले श्री अकाल तख्त साहिब और

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) सहित संबंधित धार्मिक संस्थाओं से सलाह-मशवरा करना चाहिए। सुनवाई के दौरान विधायक इंद्रबीर सिंह निज्जर ने कहा कि सुझावों के लिए एसजीपीसी को आमंत्रित किया गया था। वहीं कांग्रेस विधायक प्रताप सिंह बाजवा ने दावा किया कि उन्होंने विधानसभा में इस विषय पर चर्चा की मांग उठाई थी, लेकिन उसे स्वीकार नहीं किया गया।

- धार्मिक शब्दावली में बदलाव पर आपत्ति

जत्थेदार ने कहा कि कानून में 'बीड़' की जगह 'स्वरूप' शब्द का प्रयोग किया गया है। उन्होंने कहा कि सिख धार्मिक शब्दावली तय करने का अधिकार विधानसभा को नहीं है।

- 'कस्टोडियन' शब्द हटाने की मांग

कानून में 'कस्टोडियन' (संभालकर्ता) शब्द का इस्तेमाल किए जाने पर भी आपत्ति जताई गई। अकाल तख्त का कहना है कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब की सेवा और जिम्मेदारी तय करने का अधिकार केवल पंथ का है।

- यूनिक नंबर और ऑनलाइन रिकॉर्ड पर सवाल

कानून में प्रत्येक स्वरूप को यूनिक नंबर देने तथा उसका रिकॉर्ड रखने के प्रावधान पर भी आपत्ति जताई गई। जत्थेदार ने कहा कि इस प्रकार के निर्णय गुरमत परंपरा के अनुसार पंथ के स्तर पर होने चाहिए।

- कस्टोडियन की जिम्मेदारियां तय करने का विरोध

अकाल तख्त ने कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब की सेवा, संरक्षण और मर्यादा से जुड़े नियम धार्मिक विषय हैं, जिन्हें विधानसभा तय नहीं कर सकती।

- दंड संबंधी प्रावधान स्पष्ट करने की मांग

कानून में 'बेअदबी के अलावा' जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर स्पष्टीकरण मांगा गया है। साथ ही कस्टोडियन को दंडित करने वाले प्रावधान पर भी आपत्ति दर्ज कराई गई।जत्थेदार ने कहा कि कानून में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि यदि किसी दुर्घटना के कारण घटना होती है तो श्री गुरु ग्रंथ साहिब को केस प्रॉपर्टी नहीं बनाया जाएगा।

आज दुनिया भारत की ओर उम्मीद लगाए देख रही : अनुराग ठाकुर

शिमला,(आरएनएस)। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शिमला के जाखू हनुमान मंदिर में दर्शन पूजन किया। इस दौरान पीएम मोदी के नेतृत्व पर बात की और राज्य में स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज दुनिया भारत की ओर उम्मीद लगाए देख रही है।

अनुराग ठाकुर ने कहा, ऐसा नहीं है कि जब आप भगवान के चरणों में आते हैं, तो सिर्फ कुछ मांगने ही आते हैं। जाखू हनुमान मंदिर एक बहुत पुरानी जगह है। अगर आप इसके आस-पास के खूबसूरत नजारों को देखें, तो आपके अंदर अपने आप ही सकारात्मक ऊर्जा का एहसास जाग उठता है। मेरा मानना है कि जो कोई भी शिमला आता है और जाखू मंदिर नहीं जाता, उसकी यात्रा एक तरह से अधूरी रह जाती है।

सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा, 'भारत की तरफ दुनिया देख रही है। भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। यहां सबसे अधिक आबादी है। हर क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर है और 2047 तक भारत को विकसित बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री ने हमें 12 साल तक नेतृत्व दिया। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व ने देश को कोविड, पश्चिम एशिया संकट जैसी चुनौतियों से बाहर निकला। मैं हनुमानजी से प्रार्थना करता हूं कि प्रधानमंत्री को और शक्ति दें।

सांसद ने आगे कहा, हिमाचल प्रदेश सुंदर और देवभूमि है। यहां दुनिया भर से पर्यटक आते हैं। लेकिन जिम्मेदार पर्यटक जरूर होना चाहिए। पर्यटक और स्थानीय लोग प्लास्टिक का उपयोग कर रास्ते में न फेंकें, इससे नाले जाम होते हैं और सड़के गंदी हो जाती हैं। टोक्यों में एक भी डस्टबिन देखने को बाहर नहीं मिलता है। लोग वहां समझदार हैं और कचरे को सड़क पर नहीं फेंकते हैं। जापान के लोग किसी देश के स्टेडियम मैच देखने जाते हैं तो अपने स्टैंड को साफ करके जाते हैं, जिससे उनके देश के छवि अच्छी हो। प्रधानमंत्री भी लोगों से अपील करते हैं कि अपनी जिम्मेदारियों को समझें और साफ-सुथरा बनाएं। सभी लोगों को अपने शहर और देश को स्वच्छ बनाए रखने में अपना योगदान देना चाहिए।

बिहार : बेगूसराय में दो स्कॉर्पियो की टक्कर में चार युवकों की मौत, पांच घायल

बेगूसराय (आरएनएस)। बिहार के बेगूसराय जिले में रविवार देर रात तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। सिंघौल थाना क्षेत्र के अंग्रेजी ढाला के पास एनएच-31 पर दो स्कॉर्पियो की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान नगर थाना क्षेत्र के पोखरिया निवासी हिमांशु कुमार, सनी कुमार, सिकंदर महतो और ऋषभ कुमार के रूप में हुई है। सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, पोखरिया के छह दोस्त देर रात स्कॉर्पियो से गंगा स्नान के लिए सिमरिया जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही एक दूसरी स्कॉर्पियो से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। दूसरी स्कॉर्पियो बखरी थाना क्षेत्र से बारात लेकर विनोदपुर जा रही थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। एक स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोगों को बाहर निकालने के लिए स्थानीय लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। हादसे की सूचना मिलते ही सिंघौल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार, कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

भाजपा-रालोद गठबंधन पर सबकी नजर, सीट शेयरिंग बनेगी सबसे बड़ी चुनौती

मेरठ ,(आरएनएस)। भाजपा और रालोद के बीच आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे की राह आसान नहीं लग रही है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दोनों दलों का यह गठबंधन ऊपर से जितना मजबूत दिख रहा है, चुनाव पास आते ही सीटों के गणित को लेकर उतना ही उलझता जा रहा है। दोनों ही पार्टियां अपने राजनीतिक वजूद को बचाने और बढ़ाने की कोशिशों में लगी हैं। यही वजह है कि मेरठ, बागपत, मुजफ्फरनगर और गाजियाबाद जैसे जिलों में सीटों का तालमेल इस गठबंधन के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।साल 2027 के चुनाव की तैयारियों के साथ ही दोनों दलों के भीतर सीटों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ने के पक्ष में तो हैं, लेकिन कई जिलों की सीटों पर दोनों के बीच पेंच फंसना तय है। रालोद अपनी राजनैतिक पकड़ मजबूत करने के लिए ज्यादा से ज्यादा सीटों पर दावा कर रहा है, जबकि भाजपा अपनी जीती हुई और मजबूत सीटों को किसी भी कीमत पर छोड़ने के मूड में नहीं है।

बारिश की दस्तक, UP-बिहार में भारी बरसात और आंधी, बंगाल में रेड अलर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। देशभर के मौसम में अगले 12 घंटों के भीतर बड़ा बदलाव देखने को मिलने वाला है। एक तरफ जहां असम और अरुणाचल प्रदेश जैसे राज्य भारी बारिश के बाद बाढ़ का सामना कर रहे हैं, वहीं दिल्ली और राजस्थान में लोग भीषण गर्मी से बेहाल हैं। इस बीच, मौसम विभाग (IMD) ने राहत और चेतावनी दोनों जारी करते हुए 15 राज्यों के लिए नया अलर्ट जारी किया है। इन राज्यों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और भारी बारिश होने का अनुमान है।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस बदलाव की मुख्य वजह तेलंगाना और बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने चक्रवाती सिस्टम हैं, जो अभी भी काफी सक्रिय हैं।जिन राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया गया है, उनमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़, केरल, तमिलनाडु और असम शामिल है। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को भीषण गर्मी से बहुत जल्द राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग ने मंगलवार (30 जून) और बुधवार (1 जुलाई) के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान आंधी-तूफान के साथ बारिश होने की पूरी संभावना है। 1 जुलाई के बाद से बारिश की रफ्तार और तेज हो सकती है।

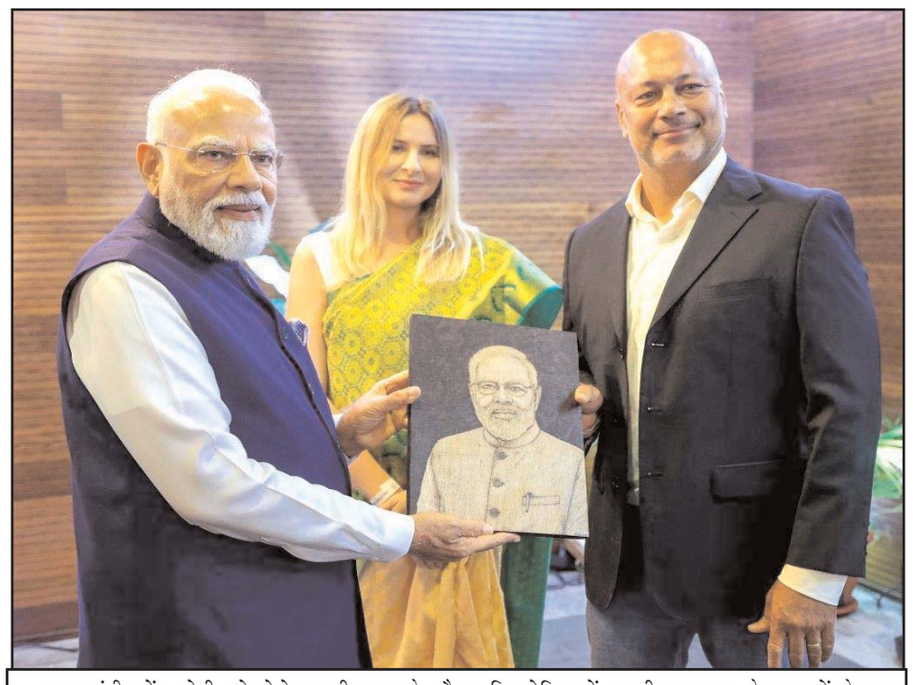

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स की यात्रा के दौरान विक्टोरिया में भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत के समय अपनी एक तस्वीर भेंट की गई।

भारत की जमीन पर चीन ने किया कब्जा, बॉर्डर पर रह रहे आदिवासियों का बड़ा दावा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत-चीन सीमा विवाद के बीच अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले से स्थानीय आदिवासी समुदाय की ओर से सीमा क्षेत्र में कथित चीनी अतिक्रमण का मामला सामने आया है। 'नाह वेलफेयर सोसाइटी' ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर दावा किया है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) के निकट चीनी सेना ने पिछले कुछ वर्षों में उनकी पारंपरिक जमीन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, संगठन का आरोप है कि पिछले छह वर्षों के दौरान चीनी सेना ने उन क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित किया है, जहां स्थानीय लोग वर्षों से खेती और पशु चराने का कार्य करते रहे हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि चीन पिछले 10 से 15 वर्षों से धीरे-धीरे अपनी गतिविधियां बढ़ा रहा था, लेकिन वर्ष 2020 के बाद इसकी रफ्तार काफी तेज हो गई।

ज्ञापन में संगठन ने ताक्सिंग क्षेत्र के अंतर्गत पांच स्थानों का उल्लेख किया है, जहां कथित तौर पर चीनी गतिविधियां बढ़ी हैं। इनमें ओयिंग, पोत्रंग झील, तिन्दिनतांग (टीजी), पनिआर (चुजार्टा क्षेत्र) और मरपन (मर्नाफे) शामिल हैं। संगठन का कहना है कि वर्ष 2020 तक इन इलाकों पर स्थानीय समुदाय की पहुंच थी, लेकिन अब इन क्षेत्रों पर चीन का नियंत्रण होने का दावा किया जा रहा है।

ब्यूट्यूब पर वीडियो देखकर डॉक्टर बना पति, घर पर ही कराने लगा पत्नी की डिलीवरी; महिला की मौत

तिरुप्पुर (आरएनएस)। तमिलनाडु के तिरुप्पुर जिले से लापरवाही का एक दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां इंटरनेट पर वीडियो देखकर घर में प्रसव कराने की कोशिश एक महिला की जान पर भारी पड़ गई। बिना चिकित्सकीय निगरानी के कराई गई डिलीवरी के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव होने से महिला की मौत हो गई, जबकि नवजात बच्ची को डॉक्टरों ने सुरक्षित बचा लिया। जानकारी के अनुसार, उथुकुली क्षेत्र के थलावैपलयम गांव की रहने वाली शशिकला पहले बच्चे को सिजेरियन ऑपरेशन के जरिए जन्म दे चुकी थीं। इस बार परिवार सामान्य प्रसव कराना चाहता था। आरोप है कि महिला के पति कार्तिक ने इंटरनेट पर प्रसव संबंधी वीडियो देखकर घर पर ही डिलीवरी कराने का फैसला किया। इस दौरान उसकी मां भी प्रसव प्रक्रिया में शामिल रही।बताया गया कि प्रसव के बाद नाल (प्लेसेंटा) सही तरीके से बाहर नहीं निकल सकी, जिससे शशिकला को तेज रक्तस्राव शुरू हो गया। हालत गंभीर होने पर परिजन उन्हें पहले पेरुनदुरई के सरकारी अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद कोयंबटूर के एक निजी अस्पताल रेफर किया गया। डॉक्टरों ने महिला को बचाने की भरसक कोशिश की, लेकिन अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उनकी मौत हो गई। हालांकि नवजात बच्ची की जान बचा ली गई।घटना की सूचना मिलने के बाद उथुकुली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगा रही है कि बिना किसी प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी या डॉक्टर की निगरानी के घर पर प्रसव कराने का निर्णय किन परिस्थितियों में लिया गया। प्रारंभिक जांच में पति कार्तिक और उसकी मां की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि जिन महिलाओं की पहले सिजेरियन डिलीवरी हो चुकी हो, उनके लिए अगला प्रसव चिकित्सकीय निगरानी में होना अत्यंत आवश्यक होता है। ऐसे मामलों में घर पर प्रसव कराने का प्रयास मां और शिशु, दोनों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

तमिलनाडु में 15 हजार सेक्स अपराधियों की हुई पहचान, कलर कोडेड स्पेक्ट्रम से किए जाएंगे ट्रैक

मदुरई (आरएनएस)। तमिलनाडु में अब गैंगरेप के आरोपी के साथ वैसा बर्ताव नहीं होगा जैसा नाबालिग के साथ भागने के मामले में आरोपी युवा के साथ होता है। बार-बार पीछा करने वाले (स्टॉकर) की निगरानी पहली बार आरोपी बने व्यक्ति की तरह नहीं की जाएगी।

तमिलनाडु पुलिस के 'स्पेक्ट्रम' प्रोजेक्ट का यही मकसद है। इसे साउथ जोन में शुरू किया गया है ताकि यौन अपराधियों को उनके जोखिम के आधार पर वर्गीकृत और ट्रैक किया जा सके। इस प्रोजेक्ट में मदुरै, तिरुनेलवेली, तूतीकोरिन और कन्याकुमारी समेत दक्षिण के 10 जिले शामिल हैं।

पेपर लीक का केंद्र बन गया है महाराष्ट्र : शिवसेना (यूबीटी)

मुंबई (आरएनएस)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने सोमवार को भिवंडी में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर तीखा हमला बोला। पार्टी ने कहा कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह सड़ चुकी है और इतने जघन्य अपराधों के बावजूद किसी को भी कोई सजा नहीं मिलती। यही कारण है कि प्रश्नपत्र लीक का धंधा खुलेआम फल-फूल रहा है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने सोमवार को अपने मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में महाराष्ट्र सरकार पर शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर तीखा हमला बोला। संपादकीय में कहा गया, बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य कभी सामूहिक नकल और सरकार प्रायोजित नकल के लिए बदनाम थे। महाराष्ट्र उनसे भी एक कदम आगे निकल गया है। यहां अब सरकार प्रायोजित 'पेपर लीक' का नया कारोबार पूरे जोर-शोर से चल रहा है। जो लोग राम मंदिर के दानपात्र तक लूट सकते हैं, उनसे और क्या उम्मीद की जा सकती है?

पार्टी ने अपने मुखपत्र में प्रकाशित तीखे संपादकीय में दावा किया कि आज देश में शिक्षा व्यवस्था और छात्रों के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ का सबसे बड़ा केंद्र महाराष्ट्र बन चुका है। संपादकीय में कहा गया कि गृह मंत्री के रूप में देवेंद्र फडणवीस को इस विनाशकारी स्थिति की कोई चिंता नहीं दिखती। पिछले महीने हुए नीट पेपर लीक की जड़ें महाराष्ट्र तक पहुंची थीं और अब टीईटी का प्रश्नपत्र भी लीक हो गया है। यह महाराष्ट्र की शिक्षा व्यवस्था का सार्वजनिक अपमान है।संपादकीय में कहा गया, यह कोई अकेली घटना नहीं बल्कि सत्तारूढ़ महायुति सरकार की विफलता और भ्रष्टाचार का काला इतिहास है। यह भ्रष्टाचार से पैदा हुई ऐसी भयावह व्यवस्था है, जिसने युवाओं के भविष्य के साथ खुला विश्वासघात किया है। महाराष्ट्र की प्रतिष्ठा को धूमिल करने वाली ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं। जिस राज्य ने भारत में शिक्षा और सामाजिक सुधार की नींव रखी थी, वही आज अपने निरंतर पतन का गवाह बनने को मजबूर है। ऐसा लगता है मानो प्रगतिशील महाराष्ट्र को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर किया जा रहा है।संपादकीय में आगे कहा गया कि आज की राजनीति में पेपर लीक उतना ही सामान्य हो गया है, जितना विधायक और सांसदों का दल-बदल। पार्टी ने तंज कसते हुए कहा, दल बदलने वाले विधायकों को कथित तौर पर 50-50 करोड़ रुपये मिलते हैं, जबकि पेपर लीक लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद कर देता है। ऐसी गंभीर स्थिति में महाराष्ट्र के शिक्षा मंत्री को एक दिन भी अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

4 साल की बच्ची से पुणे में रेप-मर्डर केस में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने सुनाई सजा, 65 साल के भीमराव को मिली फांसी की सजा

पुणे (आरएनएस)। पुणे में नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या के मामले पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 2 मई 2026 को 65 साल के बुजुर्ग आरोपी को फास्ट ट्रैक कोर्ट में

मुकदमा चलाकर मृत्युदंड की सजा की मांग करेंगें. पुणे के नसरापुर नाबालिग बच्ची से रेप और हत्या के मामले मैं आरोपी भीमराव कांबले को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि इस जघन्य और घिनौनी वारदात के लिए उम्रकैद की सजा काफी नहीं है.पुणे में 4 साल की बच्ची के साथ हुई दरिंदगी की दास्तां दहलाने वाली थी. पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि आरोपी ने बच्ची के मुंह में मोजा ठूंसा था.महाराष्ट्र के पुणे जिले के नसरपुर में चार साल की नन्ही सी बच्ची से दरिंगदी करने और उसकी बेरहमी से हत्या करने के दोषी भीमराव कांबले को कोर्ट ने सजा सुना दी है. इस केस के आरोपी भीमराव कांबले को फांसी की सजा सुनाई गई है. रिकॉर्ड 59 दिनों में इस दिल दहला देने वाली घटना के दोषी को सजा सुनाई गई. बच्ची के रेप और मर्डर केस में सोमवार (29 जून) को स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट के जज एसआर सालुंके ने यह सजा सुनाई है.

नोएडा में एसी विस्फोट के बाद आग का तांडव, हाईराइज सोसाइटी में हड़कंप

नोएडा ,(आरएनएस)। दिल्ली से सटे नोएडा के सेक्टर-119 स्थित अरण्य सोसाइटी में सोमवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक ऊंची इमारत के फ्लैट में भीषण आग लग गई। हादसे की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की 6 गाड़ियां तुरंत घटना स्थल पर रवाना हो गईं और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी की जान जाने की खबर नहीं है।

22वीं मंजिल पर भड़की आग, सोसाइटी में मची अफरा-तफरी

जानकारी के अनुसार, अरण्य सोसाइटी के एक टावर की 22वीं मंजिल से अचानक धुआं उठता देख लोगों में दहशत फैल गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और ऊपर के कई अन्य फ्लैटों को भी अपनी चपेट में ले लिया। ऊंचाई अधिक होने के कारण फायर ब्रिगेड की टीम को लपटों पर काबू पाने के लिए काफी कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। अचानक हुए इस हादसे से पूरी सोसाइटी में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग अपनी जान बचाने के लिए नीचे की तरफ भागने लगे।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा की इस अग्निकांड की घटना को गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री ने आला अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचने और राहत व बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासन को हर स्तर पर सतर्कता बरतने और घटना की लगातार निगरानी करने को कहा है। इसके साथ ही सीएम ने हादसे में प्रभावित और झुलसे लोगों को तत्काल उचित इलाज मुहैया कराने के सख्त आदेश जारी किए हैं।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में हमला किया, बच्चों-महिलाओं समेत कई मौत

काबुल,(ए.) । पाकिस्तान ने रविवार रात को एक बार फिर अपने पड़ोसी अफगानिस्तान पर हमला किया है, जिसमें कई लोगों के मारे जाने की खबर है। अफगानिस्तान में तालिबान प्रशासन के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने तस्वीरें साझा करते हुए हमले की पुष्टि की। उन्होंने एक्स पर बताया कि पाकिस्तान ने पक्तिका, पक्तिया और कुनार प्रांत में कई जगह हमले किए हैं, जिसमें बच्चों और महिलाओं समेत दर्जनों मौत हुई है। पाकिस्तान ने तालिबानी लड़ाकों के मारे जाने की बात स्वीकारी है।

उप प्रवक्ता ने एक्स पर लिखा, अपराध और हमला: कल रात, एक बार फिर, हमलावर पाकिस्तानी सेना ने पक्तिका प्रांत के गियान जिले, पक्तिया प्रांत के चमकानी जिले और कुनार प्रांत के मनोगाई जिले में आम लोगों पर हवाई हमले किए हैं, जिसमें महिलाओं और बच्चों समेत दर्जनों आम लोग शहीद हो गए या घायल हो गए हैं। हम इस कायरतापूर्ण हमले की निंदा करते हैं और इसे एक अपराध और क्रूरता मानते हैं।

पाकिस्तान ने इन हमलों को आतंकवाद के खिलाफ उसके अभियान का हिस्सा बताया है। पाकिस्तानी सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने कहा कि पाकिस्तानी बलों ने तालिबान आतंकवादियों के ठिकानों और सुरक्षित पनाहगाहों पर सुनियोजित हमले किए, जिसमें 29 लड़ाके मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भर में हुए आतंकवादी हमलों की एक श्रृंखला के जवाब में यह अभियान शुरू किया गया है।

जर्मनी के स्टेड शहर में खूनी खेल, यूथ सेंटर के पास अंधाधुंध फायरिंग में 5 लोगों की दर्दनाक मौत

बर्लिन(ए.) । उत्तरी जर्मनी के स्टेड शहर से एक बेहद दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां सोमवार को एक यूथ सेंटर के पास हुई अंधाधुंध गोलीबारी में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। जर्मन समाचार एजेंसी डीपीए (DPA) के हवाले से पुलिस ने पुष्टि की है कि इस खौफनाक वारदात के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। शहर के मध्य से दक्षिण की ओर स्थित डैंकर्सस्ट्रैस सड़क पर पुलिस द्वारा एक बड़ा ऑपरेशन चलाया जा रहा है। फिलहाल मारे गए लोगों की पहचान और हमले के स्पष्ट कारणों के बारे में कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है। बता दें कि हैम्बर्ग से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित स्टेड शहर की आबादी करीब 50,000 है।

इलाके को किया गया सील, लोगों से घटना स्थल से दूर रहने की अपील

इस जानलेवा गोलीबारी के बाद पूरे इलाके में भारी दहशत और अफरा-तफरी का माहौल है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने पूरे घटनास्थल को सील कर दिया है और फोरेंसिक टीमें

वहां बारीकी से साक्ष्य जुटाने में लगी हुई हैं। पुलिस ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे सुरक्षा के मद्देनजर उस इलाके में जाने से बचें और ऑपरेशन के दौरान आपातकालीन सेवाओं के निर्देशों का कड़ाई से पालन करें। जांच एजेंसियां अब इस बात का पता लगाने में जुटी हैं कि इस जघन्य हत्याकांड के पीछे हमलावर का असली मकसद क्या था। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जांच आगे बढ़ने पर पीड़ितों की पहचान और घटना से जुड़ी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक की जाएगी।

जर्मनी में लगातार बढ़ रही हिंसक वारदातें, सुरक्षा पर उठे सवाल

स्टेड में हुई इस ताजा गोलीबारी ने जर्मनी में एक बार फिर सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। सोमवार को हुई यह घटना पिछले दो सालों में देश में हुई कई बड़ी हिंसक वारदातों की ही एक कड़ी मानी जा रही है। इससे पहले फरवरी 2025 में बीलेफेल्ड में एक पूर्व बॉक्सर की हत्या के मुकदमे के दौरान कोर्ट के बाहर फायरिंग हुई थी, जिसमें चार लोग घायल हो गए थे। वहीं, दिसंबर 2024 में मैगडेबर्ग के एक भीड़भाड़ वाले क्रिसमस बाजार में सऊदी मूल के एक शख्स ने किराए की कार घुसा दी थी। इस भयानक हमले में 6 लोगों की जान चली गई थी और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। इस दक्षिणपंथी समर्थक हमलावर को बाद में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

यूक्रेन मुद्दे पर अमेरिका से बातचीत को तैयार पुतिन, बोले- कठिन दौर से गुजर रहा रूस

मॉस्को(ए.) । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन लंबे युद्ध के बाद अमेरिका के साथ अपने विरोधी यूक्रेन के सभी मुद्दों पर बातचीत के लिए तैयार हो गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार को यूनाइटेड रूस पार्टी के सम्मेलन में यह बात कही और कहा कि वे अलास्का के एंकरेज में हुए समझौते की प्रक्रिया पर चर्चा जारी रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि रूस इस समय कठिन और महत्वपूर्ण समय से गुजर रहा है।

राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, हम बातचीत और सभी विवरणों व तौर-तरीकों पर चर्चा जारी रखने के लिए तैयार हैं- भले ही कोई सहमति न बनी हो, लेकिन उन विषयों पर चर्चा करने को तैयार हैं जिन पर एंकरेज में बात हुई थी। उन्होंने कहा कि रूस अपने विरोधियों के प्रयासों के बावजूद अपनी रणनीतिक योजनाओं को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि रूस एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। उन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि रूस अपने मूलभूत हितों की रक्षा करते हुए दृढ़ता से खड़ा है और अपने भविष्य, जीवन शैली, संप्रभु विचारधारा, नींव और जीवन सिद्धांतों के लिए लड़ने को तैयार है। राष्ट्रपति ने कहा, रूस पश्चिमी अभिजात वर्ग के कठोर और अभूतपूर्व दबाव में है। वे हमें रणनीतिक रूप से पराजित करने या युद्ध के मैदान में जीत हासिल करने में असमर्थ रहे हैं, न ही वे राजनीतिक स्थिति को अस्थिर करने में सफल हो रहे हैं। पुतिन ने कहा कि पश्चिमी देश रूस को किसी भी तरह से हमें कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन न तो कोई आज तक सफल हुआ है और न भविष्य में कोई सफल होगा।

इजरायल पर ईरान का साइबर हमला जारी, क्या निशाना बना रहे हैं हैकर्स?

यरूशलम(ए.) । अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच अब साइबर मोर्चे पर भी हमले तेज हो गए हैं। इजरायली अधिकारियों का दावा है कि ईरान से जुड़े हैकर लगातार साइबर हमले कर रहे हैं। जून 2025 में जहां करीब 1,600 साइबर घटनाएं दर्ज हुई थीं, वहीं जून, 2026 में इनकी संख्या बढ़कर लगभग 4,800 तक पहुंच गई। इससे इजरायल की साइबर सुरक्षा एजेंसियां लगातार सतर्क बनी हुई हैं।इजरायली अधिकारियों के मुताबिक, हैकर जरूरी बुनियादी ढांचे, सरकारी संस्थानों, छोटे और मझोले कारोबार, लॉ फर्म, अकाउंटिंग फर्म और आम नागरिकों के डिजिटल सिस्टम को निशाना बना रहे हैं। उनका उद्देश्य महत्वपूर्ण सेवाओं को प्रभावित करना और संवेदनशील जानकारी तक पहुंच बनाना बताया जा रहा है। हालांकि, इजरायल का कहना है कि अब तक वह अपने अहम बुनियादी ढांचे को बड़े साइबर हमलों से सुरक्षित रखने में सफल रहा है।

यूरोप में भीषण हीटवेव का कहर, 1000 से अधिक लोगों की मौत, हाहाकार के बीच जर्मनी में 41.7 डिग्री पहुंचा तापमान

बर्लिन(ए.)। यूरोप इस समय वर्षों की सबसे भीषण गर्मी का सामना कर रहा है। कई देशों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। हालात इतने गंभीर हैं कि कहीं सड़कें पिघल रही हैं, कहीं रेल की पटरियां गर्मी से टेढ़ी हो रही हैं और कई जगह बिजली तथा परिवहन सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। विशेषज्ञ इसे जलवायु परिवर्तन से जुड़ी सबसे गंभीर हीटवेव में से एक मान रहे हैं।

पश्चिमी यूरोप से शुरू हुई गर्मी की यह लहर अब मध्य और पूर्वी यूरोप तक फैल चुकी है। लगातार बढ़ते तापमान के कारण सड़कों, रेल नेटवर्क, बिजली आपूर्ति और स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी दबाव देखा जा रहा है। कई देशों में दशकों पुराने तापमान रिकॉर्ड भी टूट गए हैं। फ्रांस के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, पिछले बुधवार से अब तक देश में सामान्य अनुमान की तुलना में करीब 1,000 अधिक लोगों की मौत दर्ज की गई है।

जर्मनी में भीषण गर्मी का असर सबसे अधिक

परिवहन व्यवस्था पर देखने को मिला। राजधानी बर्लिन के बाहरी इलाके में ए-2 मोटरवे (Aw Motorway) पर अत्यधिक तापमान के कारण कंक्रीट की सड़कें उभरकर टूट गईं, जिसके चलते कई हिस्सों को बंद करना पड़ा। देश के अन्य हाईवे पर भी सड़कें क्षतिग्रस्त होने की खबरें हैं। रेल सेवा संचालित करने वाली डॉयचे बान ने यात्रियों से गैर-जरूरी रेल यात्राएं टालने की अपील की है। कंपनी का कहना है कि रिकॉर्ड गर्मी के कारण रेलवे ट्रैक और अन्य बुनियादी ढांचे पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है, जिससे ट्रेनों के संचालन में बाधाएं आ सकती हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सड़कों के पिघलने और क्षतिग्रस्त होने के दृश्य सामने आए हैं। वहीं, एक टेनिस प्रतियोगिता के दौरान गर्मी इतनी अधिक थी कि खिलाड़ियों के रैकेट के हैंडल पर लगी गोंद तक नरम पड़ गई।डेनमार्क में वर्ष 1874 से मौसम का रिकॉर्ड रखा जा रहा है, लेकिन पहली बार तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। आरहूस के पास ओडम क्षेत्र में दर्ज यह तापमान देश के इतिहास का सबसे अधिक माना जा रहा है।

स्विट्जरलैंड के बेसल में 38.8 डिग्री सेल्सियस, जबकि चेक गणराज्य के डोक्सानी में 40.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। ब्रिटेन में भी जून महीने का अब तक का सबसे गर्म दिन रिकॉर्ड किया गया, जहां पारा 37.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया और 1976 का पुराना रिकॉर्ड टूट गया।

फीचर

रसोई के लिए दोबारा लोकप्रिय हो रहे हैं लकड़ी के उपकरण, जानिए कारण

लकड़ी के रसोई उपकरण लंबे समय से हमारे घरों का हिस्सा रहे हैं। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में प्लास्टिक और स्टेनलेस स्टील जैसी नई सामग्रियों ने बाजार में जगह बना ली। अब एक बार फिर से लकड़ी के उपकरणों की मांग बढ़ रही है। इसके पीछे कई कारण हैं, जैसे पर्यावरण के प्रति जागरूकता और सेहत से जुड़ी चिंताएं। आइए जानते हैं कि लकड़ी के रसोई उपकरण क्यों और कैसे फिर से लोकप्रिय हो रहे हैं।

पर्यावरण के अनुकूल विकल्प

आजकल लोग पर्यावरण के प्रति ज्यादा जागरूक हो गए हैं और वे ऐसे उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो पर्यावरण के अनुकूल हों। लकड़ी के रसोई उपकरण पर्यावरण के लिए बेहतर होते हैं, क्योंकि ये नवीकरणीय संसाधनों से बनते हैं और इनका कचरा कम होता है। इसके विपरीत प्लास्टिक और स्टेनलेस स्टील के उपकरण पर्यावरण के लिए नुकसानदायक होते हैं और इनका कचरा लंबे समय तक धरती पर बना रहता है।

सेहत के लिए सुरक्षित

लकड़ी के रसोई उपकरण सेहत के लिए भी सुरक्षित माने जाते हैं। प्लास्टिक उपकरणों में अक्सर हानिकारक रसायन होते हैं, जो खाने-पीने की चीजों में मिल सकते हैं। स्टेनलेस स्टील के उपकरणों में भी कभी-कभी धातु के कण मिल सकते हैं, जो सेहत के लिए खराब हो सकते हैं। लकड़ी के उपकरण प्राकृतिक होते हैं और इनमें किसी प्रकार के रसायन का उपयोग नहीं किया जाता, जिससे ये सेहत के लिए सुरक्षित होते हैं।

टिकाऊ और मजबूत

लकड़ी के रसोई उपकरण टिकाऊ और मजबूत होते हैं। सही देखभाल करने पर ये कई वर्षों तक चलते रहते हैं। लकड़ी की बनावट इसे मजबूत बनाती है, जिससे ये टूटते-फूटते नहीं हैं। इनके रखरखाव में भी कोई खास परेशानी नहीं होती। इन्हें साबुन और पानी से साफ किया जा सकता है और समय-समय पर तेल लगाने से इनकी चमक बनी रहती है। लकड़ी के उपकरणों की मजबूती और टिकाऊपन इन्हें एक बेहतरीन विकल्प बनाती है।

पारंपरिक अहसास

लकड़ी के रसोई उपकरण पारंपरिक एहसास प्रदान करते हैं, जो कई लोगों को पसंद आता है। इनकी बनावट और डिजाइन साधारण होते हुए भी आकर्षक लगते हैं। ये आपके रसोईघर को एक गर्माहट और आरामदायक अहसास देते हैं। इसके अलावा लकड़ी के उपकरणों का उपयोग करने से खाना बनाते समय हाथों पर अच्छा अनुभव होता है। लकड़ी की गर्मी और स्थिरता खाना बनाने की प्रक्रिया को सुखद बनाती है।

अलग-अलग प्रकार में उपलब्ध

आजकल बाजार में कई प्रकार के लकड़ी के रसोई उपकरण उपलब्ध हैं, जिनमें चमच, चाकू और कटोरे आदि शामिल हैं। आप अपनी जरूरत के अनुसार इनकी खरीदारी कर सकते हैं। इसके अलावा आप इन्हें अपनी पसंद के अनुसार डिजाइन करवाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इस प्रकार लकड़ी के रसोई उपकरण न केवल पर्यावरण के अनुकूल होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी सुरक्षित होते हैं। इनकी मजबूती और पारंपरिक एहसास इन्हें एक बेहतरीन विकल्प बनाते हैं।

शरवरी बोलीं, हर एक्टर का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने जो लोगों के दिलों में बस जाए

शरवरी बाघ ने अपनी हालिया रिलीज मैं वापस आऊंगा को मिल रहे अपार प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए एक भावुक नोट लिखा। उन्होंने कहा कि हर अभिनेता का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो दर्शकों के थिएटर से बाहर निकलने के बाद भी लंबे समय तक उनके दिलों और जेहन में बनी रहे। शरवरी बाघ ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें और क्लिप साझा किए, जिनमें फिल्म मैं वापस आऊंगा के लिए दर्शकों की प्रतिक्रियाएं, समीक्षाएं, थिएटर के दृश्य और गीत मसकारा की मेकिंग के दौरान के बिहाइंड-द-सीन्स (बीटीएस) पल शामिल थे।

पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, मुझे नहीं लगता कि इससे बड़ी कोई खुशी हो सकती है कि जिस चीज में आपने अपना दिल और आत्मा लगा दी हो, वह दूसरे लोगों के दिलों में भी जगह बना ले। संदेश, वीडियो, आंसू, बातचीत और प्यार... मैं यह सब देख और पढ़ रही हूं, और कई बार मेरी अपनी आंखों में भी आंसू आ जाते हैं।

उन्होंने कहा, हर अभिनेता का सपना होता है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बने, जो दर्शकों के थिएटर से बाहर निकलने के बाद भी लंबे समय तक उनके साथ बनी रहे। जिस तरह आप सभी ने मैं वापस आऊंगा' से जुड़ाव महसूस किया है, वह मेरे लिए बेहद विनम्र और भावुक करने वाला अनुभव रहा है। हमारे साथ हर भावना को महसूस करने और इस फिल्म को अपने प्यार से आगे बढ़ाने के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद।

शरवरी के सह कलाकार वेदांग रैना ने भी पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए लिखा, तुम इस सबकी हकदार हो, जिया।

फिल्म की बात करें तो इसका निर्देशन इम्तियाज ने किया है। इस पीरियड रोमांटिक ड्रामा में नसीरूद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

मैं वापस आऊंगा' की कहानी भारत के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर आधारित है और बिछडने, प्रेम, यादों, पलायन और स्मृतियों जैसे विषयों को सामने लाती है। फिल्म एक ऐसे प्रेम संबंध की कहानी दिखाती है, जो ऐतिहासिक उथल-पुथल के कारण प्रभावित होता है। कहानी नसीरूद्दीन शाह के किरदार के दृष्टिकोण से सुनाई गई है।

यह फिल्म इम्तियाज अली और एआर रहमान की सफल जोड़ी को फिर से साथ लाती है। इसके अलावा, गीतकार इरशाद कामिल ने भी फिल्म में योगदान दिया है।

फिल्म का निर्माण एपल्ज एंटरटेनमेंट, विंडो सीट फिल्मस और मोहित चौधरी फिल्मस के बैनर तले किया गया है। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

सुपर सुब्बू' में हूमर और सच्ची मानवीय भावनाओं का बेहतरीन संतुलन है : मिथिला पालकर

अभिनेत्री मिथिला पालकर अपनी आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज सुपर सुब्बू की रिलीज की तैयारी में हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस सीरीज में उनका किरदार हास्य और वास्तविक मानवीय भावनाओं के बीच बेहतरीन संतुलन स्थापित करता है। सीरीज का ट्रेलर जारी किया गया। इसमें सुंदीप किशन और मुरली शर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कहानी सुब्रमण्यम सुब्बू' चिल्लुकुरी राव के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी पोस्टिंग काल्पनिक गांव माकीपुर में होती है, जहां कोई भी शिक्षक जाना नहीं चाहता। सुब्बू अपने परिवार के सामने सम्मान बनाए रखने के इरादे से गांव पहुंचता है और पढ़ाने के लिए तैयार रहता है, लेकिन उसे गांव में सबसे असहज जिम्मेदारी यानी सेक्स एजुकेशन पढ़ाने का काम सौंप दिया जाता है।सीरीज में अपने किरदार को लेकर मिथिला पालकर ने कहा, मुझे सुपर सुब्बू' की ओर सबसे ज्यादा आकर्षित करने वाली बात यह थी कि यह हास्य के साथ-साथ वास्तविक मानवीय भावनाओं को भी खूबसूरती से प्रस्तुत करती है। तमाम अफरा-तफरी, जिज्ञासा और हंसी-मजाक के पीछे रिश्तों, स्वीकार्यता और एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझने की कहानी छिपी हुई है। निर्देशक मल्लिक राम ने जो दुनिया रची है, वह अनोखी, जीवंत और ऊर्जा से भरपूर है। इस यात्रा में हर किरदार कुछ यादगार लेकर आता है।उन्होंने आगे कहा, ऐसी कहानी का हिस्सा बनना जो मनोरंजक होने के साथ-साथ सार्थक भी हो, मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा। नेटफ्लिक्स के साथ काम करना हमेशा घर वापसी जैसा महसूस होता है। मैं उनके शुरुआती ओरिजिनल शो लिटल थिंग्स का हिस्सा रही हूं और अब उनकी पहली तेलुगु ओरिजिनल सीरीज सुपर सुब्बू' से जुडना ऐसा लगता है जैसे यह सफर पूरा चक्र पूरा कर चुका हो।

कपड़ों की उम्र बढ़ाने में मदद कर सकती हैं ये आदतें, आज से ही अपनाएं

कपड़े रोजाना पहनने और धोने से खराब हो सकते हैं। ऐसे में कपड़ों को लंबे समय तक ठीक रखने के लिए कुछ अच्छी आदतें अपनानी जरूरी हैं। कपड़ों को धोने से लेकर उन्हें स्टोर करने तक के तरीके में थोड़ी-सी सावधानी बरतने से कपड़ों की उम्र बढ़ाई जा सकती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी आदतों के बारे में बताते हैं, जो आपके कपड़ों की उम्र को बढ़ाने में मदद कर सकती हैं।

ठंडे पानी का करें इस्तेमाल

गर्म पानी का इस्तेमाल करके कपड़े धोने से उनमें लगे दाग-धब्बे अच्छे से साफ हो जाते हैं, लेकिन इससे कपड़े जल्दी खराब भी हो सकते हैं। गर्म पानी के कारण कपड़े जल्दी ढीले हो जाते हैं और उनका रंग भी फीका पड़ सकता है। इसलिए, कपड़े धोते समय ठंडे पानी का इस्तेमाल करें। इससे कपड़ों में लगे दाग-धब्बे भी अच्छे से साफ हो जाएंगे और कपड़े भी लंबे समय तक ठीक रहेंगे।

ज्यादा साबुन का न करें इस्तेमाल

कपड़े धोने के लिए ज्यादा साबुन का इस्तेमाल करना भी गलत है। इससे कपड़ों की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ता है। दरअसल, ज्यादा साबुन के कारण कपड़े रूखे हो जाते हैं और उनकी चमक भी चली जाती

है। इसके अलावा ज्यादा साबुन से कपड़ों की नाजुकता पर भी असर पड़ता है। इसलिए, हमेशा साबुन का इस्तेमाल करते समय उसकी मात्रा का ध्यान रखें और और अच्छी गुणवत्ता वाला विकल्प ही अपनाएं।

ज्यादा गर्मी से बचाएं

कपड़ों को सुखाने के लिए तेज हवा या तेज धूप का इस्तेमाल करने से बचें, क्योंकि इससे कपड़ों का रंग फीका पड़ सकता है और वे सिकुड़ भी सकते हैं। बेहतर होगा कि कपड़ों को प्राकृतिक तरीके से सुखाने पर जोर दें। इसके लिए आप उन्हें छांव में लटका सकते हैं या फिर किसी कोठरी में रख सकते हैं। इससे कपड़े न सिर्फ अच्छे से सूखेंगे, बल्कि उनका रंग भी बरकरार रहेगा।

इस्त्री करते समय नमी रखें

इस्त्री करते समय कपड़ों में थोड़ी नमी बरकरार रखें। इसके लिए आप स्प्रे बोतल का इस्तेमाल कर सकते हैं या फिर गीले कपड़ों को थोड़ी देर हवा में सुखाने के बाद इस्त्री करें। इससे कपड़े आसानी से इस्त्री होंगे और उनकी चमक भी बनी रहेगी। इसके अलावा नमी से कपड़ों के धागे भी मजबूत रहते हैं, जिससे वे लंबे समय तक ठीक रहते हैं। इस तरह आप अपने कपड़ों को नए जैसा बना सकते हैं।

मुख्यमंत्री आईटी फेलोशिप के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 7 जुलाई तक बढ़ी

रायपुर,(आरएनएस)। तकनीकी शिक्षा को सुशासन और नवाचार से जोड़ने की दिशा में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री आईटी फेलोशिप 2026 के अंतर्गत एम.टेक. (डाटा साइंस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) कार्यक्रम में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 7 जुलाई 2026 कर दी गई है। पूर्व में आवेदन की अंतिम तिथि 1 जुलाई निर्धारित थी।

यह कार्यक्रम नवा रायपुर स्थित आईआईआईटी- एनआर में संचालित किया जाएगा। इसके अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को प्रतिमाह 50,000 की फेलोशिप प्रदान की जाएगी। साथ ही उनकी ट्यूशन फीस का संपूर्ण व्यय छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वहन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री आईटी फेलोशिप कार्यक्रम की विशेषता यह है कि विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ राज्य शासन के विभिन्न विभागों में वास्तविक परियोजनाओं प्रोजेक्ट्स पर कार्य करने का अवसर मिलेगा। इससे प्रतिभाशाली युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डाटा साइंस के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होगा तथा शासन की डिजिटल सेवाओं और नवाचार आधारित पहलों में योगदान देने का अवसर भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने की सौजन्य भेंट।

मेरिन ड्राइव बना नशेड़ियों का अड्डा, लोग हो रहे परेशान

रायपुर, (आरएनएस)। पुलिस कमिश्नरेट बनने के बाद भी अपराधियों के हौसले बुलंदी पर है। वहीं 112 की टीम को काल करने पर भी कई बार समय पर नहीं पहुंचने पर अपराधियों के हौसले बुलंद हो रहे है। मिली जानकारी के अनुसार तेलीबांधा स्थित मेरिन ड्राइव इन दिनों नशेड़ियों का अड्डा बन गया है। नशे के कारोबार में कोई नहीं नहीं आ रही है जिसके चलते मेरिन ड्राइव में नशेड़ी गजेड़ी सुबह शाम नशा करते हुए दिखाई पड़ते हैं। इस संबंध में मार्निंग वॉक एसोसिऐशन के अध्यक्ष सुधीर वालिया एवं तेलीबांधा निवासी अजय मनचंदानी ने जानकारी देते हुए बताया कि बुजुर्ग एवं सुबह शाम की सैर करने वाले नशेड़ियों की हरकतों के चलते बहुत परेशान हो रहे है।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में युवक गिरफ्तार, पॉक्सो एक्ट के तहत भेजा गया जेल

बलरामपुर-रामानुजगंज(आरएनएस)। रघुनाथनगर थाना पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता के पिता ने 28 जून 2026 को थाना रघुनाथनगर में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 27 जून की रात वह और उनकी पत्नी भोजन करने के बाद सो गए थे। देर रात जब वे पानी पीने के लिए उठे तो उनकी नाबालिग बेटी घर पर नहीं मिली। रातभर तलाश के बाद सुबह बेटी मिली, जिसने बताया कि गांव के नंदू अगरिया उसे बहला-फुसलाकर घर से ले गया और पास के जंगल में उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत के आधार पर थाना रघुनाथनगर में अपराध क्रमांक 71/2026 दर्ज कर आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 137(2), 64(2) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 4 और 6 के तहत मामला कायम किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी नंदू अगरिया (23 वर्ष), निवासी जनकपुर, थाना रघुनाथनगर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज को गिरफ्तार कर लिया।

समाधान सेल की सूचना पर कार्रवाई: 35 लीटर अवैध महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार(आरएनएस)। जिले में संचालित समाधान सेल को मिली सूचना के आधार पर थाना लवन पुलिस ने अवैध महुआ शराब के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 35 लीटर अवैध महुआ शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 7 हजार रुपये है, जब्त की है।

पुलिस के अनुसार, जिले में आमजन की शिकायतों और आपराधिक गतिविधियों की सूचना के त्वरित निराकरण के लिए शुरू की गई समाधान सेल लगातार प्रभावी साबित हो रही है। इसी क्रम में 27 जून 2026 को समाधान सेल में मिली सूचना पर पुलिस अधीक्षक ओ.पी. शर्मा के निर्देशन में थाना लवन की टीम ने ग्राम अहिल्दा स्थित नहर पुलिया के पास घेराबंदी कर कार्रवाई की।

ग्रिड में भेजी गई अतिरिक्त सोलर बिजली निर्धारित दर पर खरीदी जाएगी

रायपुर,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाने वाले उपभोक्ताओं के लिए एक बेहद अच्छी खबर है। सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान ग्रिड में भेजी गई अतिरिक्त (सरप्लस) सोलर बिजली की खरीदी दर (बायबैक रेट) तय की है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने इस दर को अपनाने की आधिकारिक प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ से मिली जानकारी के अनुसार, निर्धारित दर को अंतिम अनुमोदन और मंजूरी के लिए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग (सीएसईआरसी) के पास भेज दिया गया है। आयोग से हरी झंडी मिलते ही उपभोक्ताओं को उनकी अतिरिक्त बिजली की राशि अगले बिजली बिलों में क्रेडिट (छूट) के रूप में दिखाई देने लगेगी। पावर कंपनी ने इसकी पूरी प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए बताया। नेट मीटरिंग व्यवस्था के तहत, सोलर संयंत्र से जितनी बिजली बनती है, उसका सबसे पहले उपभोक्ता की मासिक बिजली खपत में समायोजन (अडजस्टमेंट) किया जाता है।

हर बच्चे तक पहुंचे पोलियो की सुरक्षा का कवच : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने पिलाई जीवनरक्षक खुराक

रायपुर,(आरएनएस)। प्रदेश में चल रहे राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज अंबिकापुर जिले के लखनपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की जीवनरक्षक दो बूंद पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे का स्वस्थ, सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करना सरकार और समाज दोनों की साझा जिम्मेदारी है। पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक अभियान में हर बच्चे को समय पर पोलियो की खुराक पिलाना अत्यंत आवश्यक है।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि भारत ने वर्षों के सतत प्रयास, जनभागीदारी और स्वास्थ्यकर्मियों की अथक मेहनत से पोलियो पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया है। अब इस उपलब्धि को बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने परिवार, मोहल्ले और आसपास के 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं, ताकि कोई भी बच्चा इस सुरक्षा कवच से वंचित न रहे।

उन्होंने कहा कि दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत बरकरार केवल एक संदेश नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को आजीवन स्वस्थ रखने का राष्ट्रीय संकल्प है। यदि कोई बच्चा बूथ तक नहीं पहुंच पाता है तो अभिभावक घर-घर आने वाली स्वास्थ्य विभाग की टीम को अवश्य जानकारी दें और सुनिश्चित करें कि बच्चे को पोलियो की खुराक मिल जाए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन का असर, सेवा सेतु पोर्टल बना आमजन की उम्मीदों का मजबूत आधार

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुशासन, पारदर्शिता और डिजिटल सेवा वितरण को नई दिशा मिल रही है। शासन की जनहितैषी सोच और तकनीक आधारित प्रशासनिक सुधारों का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा सेवा सेतु पोर्टल आज प्रदेश के लाखों नागरिकों के लिए भरोसेमंद माध्यम बन चुका है। इस पोर्टल के जरिए शासकीय सेवाएं अब घर बैठे सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध हो रही हैं, जिससे आमजन का समय और धन दोनों की बचत हो रही है तथा शासन के प्रति विश्वास भी लगातार मजबूत हो रहा है।रायगढ़ जिले की तहसील पुसौर के ग्राम भाठनपाली निवासी अजय कुमार प्रधान की सफलता की कहानी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की डिजिटल सुशासन की सोच को साकार करती है। लंबे समय से स्थायी जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए वे सरकारी कार्यालयों के लगातार चक्कर लगा रहे थे। बार-बार तहसील कार्यालय जाने से समय और आर्थिक संसाधनों की हानि हो रही थी, लेकिन इसके बावजूद उन्हें आवश्यक प्रमाण पत्र समय पर प्राप्त नहीं हो पा रहा था। इसके कारण वे कई सरकारी नौकरियों में आवेदन करने से भी वंचित रह जाते थे। इसी दौरान उन्हें सेवा सेतु पोर्टल की जानकारी मिली। उन्होंने आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन किया। पूरी प्रक्रिया बेहद सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक रही। निर्धारित समय-सीमा के भीतर उनका आवेदन स्वीकृत हुआ और उन्हें स्थायी जाति प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। इस प्रमाण पत्र ने न केवल उनकी वर्षों पुरानी समस्या का समाधान किया, बल्कि रोजगार के नए अवसरों के द्वार भी खोल दिए।प्रमाण पत्र मिलने के बाद अजय कुमार प्रधान ने रोजगार सहायक के पद के लिए आवेदन किया।

मानसून की सुस्ती से छत्तीसगढ़ में पिछड़ी धान की बुआई, ज्यादातर खेतों में जुताई तक नहीं हो पाई

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में मानसून की सुस्त रफ्तार ने खरीफ सीजन की शुरुआत को करीब एक सप्ताह पीछे धकेल दिया है। जून के आखिरी सप्ताह तक प्रदेश के अधिकांश जिलों में धान की बुआई शुरू हो जाती है, लेकिन इस बार किसान अब भी अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

मानसून आने के बावजूद ज्यादातर जिलों में सामान्य से 45 से 80 फीसदी तक कम बारिश हुई है। खेतों में इतनी नमी भी नहीं आ पाई कि जुताई और बुआई शुरू हो सके। जहां हल्की बारिश हुई है, वहां किसानों ने पहली जुताई कर खेत छोड़ दिए हैं। अब एक-दो अच्छी बारिश के बाद दोबारा जुताई कर बुआई की जाएगी। धान की रोपा और बोता दोनों पद्धतियों के लिए शुरुआती दौर में खेतों में पर्याप्त नमी और पानी का ठहराव जरूरी होता है, जो फिलहाल अधिकांश क्षेत्रों में नहीं बन पाया है। 25 जून को ज्येष्ठ माह की एकादशी के साथ प्रदेश में परंपरागत रूप से खरीफ बुआई का शुभारंभ माना जाता है, लेकिन इस बार अधिकांश किसानों ने केवल तैयारी की है।

जल्दबाजी में न करें बुआई

इस साल मानसून की शुरुआत अपेक्षा से धीमी रही है, इसलिए पिछले वर्ष की तुलना में खरीफ की बुआई कुछ पीछे है। हालांकि किसानों को इसे लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। खेती में जल्दबाजी नुकसानदायक हो सकती है। खेत में केवल ऊपरी सतह पर नमी देखकर बुआई न करें। जब तक मिट्टी करीब 88 से 10-10 इंच की गहराई तक अच्छी तरह नहीं भीग जाए, तब तक बुआई टालना ही बेहतर है।

अर्ली किस्म की धान लगाएं

इस वर्ष मौसम वैज्ञानिकों ने मानसून अपेक्षाकृत कमजोर रहने की आशंका जताई है। ऐसी स्थिति में किसानों को कम अवधि (अर्ली मैच्योरिंग) वाली धान की किस्मों को प्राथमिकता देनी चाहिए, ताकि बारिश कम होने पर भी फसल का जोखिम घट सके। जिन क्षेत्रों में परिस्थितियां अनुकूल हों, वहां किसान फसल विविधीकरण अपनाकर बेहतर आय प्राप्त कर सकते हैं। सरकार धान के स्थान पर अन्य फसलें लेने वाले किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार रुपए तक का प्रोत्साहन भी दे रही है।

छत्तीसगढ़ में बुआई की पद्धतियां

थरहा (नर्सरी) सबसे अधिक प्रचलित। इसके लिए अच्छी वर्षा और पर्याप्त पानी की आवश्यकता होती है। पहले खेत में सीधे बीज बो दिए जाते हैं। यह खरपतवार नियंत्रण में मदद करती है। यह एक पारंपरिक छत्तीसगढ़ी पद्धति है। सीधी बुआई, बीज सीधे खेत में डाले जाते हैं। इसमें रोपाई की जरूरत नहीं पड़ती। जहां सिंचाई सीमित हो, वहां यह पद्धति तेजी से बढ़ रही है। छींटा या प्रसारण विधि बीज हाथ से पूरे खेत में बिखेर दिए जाते हैं।

खेल समाचार

ईशान में एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बनने की भी सभी योग्यताएं : श्रीकांत

चेन्नई (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि आक्रामक सलामी बल्लेबाज ईशान किशन एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बन सकते हैं पर उन्हें अवसर नहीं मिल रहा। श्रीकांत के अनुसार एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बनने के लिए जिस प्रकार का कौशल चाहिये वह इस बल्लेबाज में है पर फिर भी उसे अवसर नहीं मिल रहा। साथ ही कहा कि ये निराशाजन बात है कि एक काबिल खिलाड़ी टीम में जगह हासिल नहीं कर पा रहा। ये एक प्रकार से उसकी प्रतिभा के साथ अन्याय है।

गौरतलब है कि करीब दो साल तक राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बाद, किशन हाल ही में टी20 विश्वकप से टीम में वापसी करने में सफल रहे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ 50-ओवर के प्रारुप में भी उन्होंने एक अच्छा शतक लगाया है। श्रीकांत के अनुसार उन्हें ईशान के खेलने का अंदाज अच्छा लगता है। इसी को देखते हुए इस पूर्व कप्तान का मानना है कि कि साल 2023 में कुछ टेस्ट मैच खेल चुके किशन टेस्ट में अवसर मिलने पर भी प्रभावित ही करेंगे। उन्होंने इस बल्लेबाज के खेल की सराहना करते हुए कहा, मैं ईशान किशन का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। उन्होंने अचानक वापसी की है और बहुत बढ़िया खेल रहे हैं। मुझे उनका

खेल पसंद है। उनके स्ट्रोक खेलने का तरीका, टाइमिंग, पावर और आसानी से खेलने की क्षमता सब लाजवाब है। वह सभी प्रारुपों में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं पर उन्हें एक प्रारुप तक ही सीमित कर दिया गया है जो भारतीय क्रिकेट के लिए नुकसान देह रहेगा।

गौरतलब है कि साल 2024 में ईशान को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के केंद्रीय अनुबंध से हटा दिया गया था। तब इसका कारण जानबूझकर घरेलू क्रिकेट नहीं खेलना बताया गया। इसके बाद ईशान ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित करते हुए मैदान पर वापसी की।

श्रीकांत ने भारतीय क्रिकेट टीम की मौजूदा चयन समिति पर भी अपनी राय रखी। उनका मानना है कि समिति घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले कुछ खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में मौके देने के मामले में हमेशा अच्छा काम नहीं कर पाई है। उन्होंने यशस्वी जायसवाल का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्हें शीर्ष क्रम में बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा होने के कारण सीमित ओवरों के क्रिकेट में कभी-कभी ही मौके मिलते हैं, जो उनके लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। श्रीकांत ने जायसवाल की प्रतिभा पर जोर देते हुए कहा, वह सभी फॉर्मेट में खेलने वाले क्रिकेटर हैं। लेकिन उन्हें सिर्फ टेस्ट क्रिकेट में ही मौका मिलता है।

उन्होंने जायसवाल के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन का जिक्र करते हुए बताया, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछली सीरीज में भी, उन्होंने एकदिवसय मैचों में से एक में शतक लगाया था।

तीसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड ने कसा शिकंजा, इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 4 विकेट खोकर बनाए 103 रन

नॉटिंघम (आरएनएस)। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच ट्रेंट ब्रिज के मैदान पर खेला जा रहा है। टेस्ट मैच का चौथा दिन पूरी तरह से न्यूजीलैंड के नाम रहा। न्यूजीलैंड से मिले 373 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने दिन का खेल खत्म होने तक चौथी पारी में 4 विकेट खोकर 103 रन बना लिए हैं।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड को कप्तान बेन स्टोक्स और बेन डकेट ने सधी हुई शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 50 रन जोड़े। स्टोक्स ने आक्रामक अंदाज में शुरुआत की, लेकिन वह अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके। स्टोक्स 20 गेंदों में 30 रन बनाकर आउट हुए। जैकब बेथेल अपना खाता तक नहीं खोल सके, और वह जैकरी फाउल्क्स की गेंद पर विकेटों के सामने पाए गए।

हैरी ब्रूक ने भी तेज तर्रार शुरुआत की, लेकिन वह 9 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटे। बेन डकेट 42 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुए। दिन का खेल खत्म होने तक जो रूट 9 और एमिलियो गे 6 रन बनाकर खेल रहे हैं। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में फाउल्क्स 3 विकेट निकाल चुके हैं, जबकि बेन सियर्स एक विकेट झटका।

इससे पहले, न्यूजीलैंड ने 9 विकेट खोकर 288 रन बनाने के बाद अपनी दूसरी पारी घोषित की। टीम की ओर से रचिन रविंद्र और डेरिल मिचेल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए चौथे विकेट के लिए 267 गेंदों में 129 रनों की शतकीय साझेदारी निभाई। रचिन ने 149 गेंदों का सामना करते हुए 94 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, डेरिल मिचेल 100 रन बनाकर नाबाद रहे।

टॉम ब्लंडेल बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 18 रन बनाकर आउट हुए। नाथन स्मिथ (1 रन) और जैकरी फाउल्क्स (6 रन) कुछ खास योगदान नहीं दे सके। गेंदबाजी में इंग्लैंड की तरफ से जोफ्रा आर्चर ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 53 रन देकर 4 विकेट चटकाए। वहीं, गस एटकिंसन और बेन स्टोक्स ने दो-दो विकेट निकाले। टेस्ट के आखिरी दिन इंग्लैंड को जीत के लिए 270 रनों की दरकार है और टीम के 6 विकेट बचे हुए हैं। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड द्वारा पहली पारी में बनाए गए 354 रनों के जवाब में 438 रन बनाते हुए पहली पारी के आधार पर 84 रनों की बढ़त हासिल की है।

आयरलैंड से हार के बाद आइसलैंड क्रिकेट का तंज, कोच गंभीर पर कसा व्यंग्य

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय टीम को रविवार को दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में आयरलैंड के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में एक रन से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही आयरलैंड ने

भारत के खिलाफ पहली बार टी20 सीरीज को अपने नाम किया।

टीम इंडिया के सीरीज गंवाने के बाद आइसलैंड क्रिकेट ने हेड कोच गौतम गंभीर का मजाक उड़ाया है। आइसलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, हम कन्फर्म कर सकते हैं कि हम गौतम गंभीर को अपने कोचिंग स्टाफ में शामिल नहीं करना चाहते। हालांकि, उनमें साफ तौर पर टैलेंट है। उन भारतीय खिलाड़ियों को लेकर आयरलैंड में ऐसे नतीजे देना वाकई कमाल का टैलेंट है।

भारतीय टीम का प्रदर्शन लगातार दूसरे टी20 मुकाबले में बेहद निराशाजनक रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 154 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम की ओर से हैरी टेक्टर ने 47 गेंदों में 53 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 5 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं, बेंजामिन कैलिट्ज ने 23 गेंदों का सामना करते हुए 3 चौके और 2 छक्कों की मदद से 37 रन बनाए। भारत की ओर से गेंदबाजी में प्रिंस यादव ने डेब्यू मुकाबले में महज 22 रन देकर 3 विकेट चटकाए, बल्कि शिवम दुबे और अर्शदीप सिंह ने दो-दो विकेट झटके।हालांकि, 155 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 9 विकेट गंवाकर 153 रन ही बना सकी। संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। वहीं, ईशान किशन (12 रन) और कप्तान श्रेयस अय्यर (10 रन) भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। अक्षर पटेल 18 गेंदों का सामना करने के बाद 14 रन ही बना सके। वहीं, शिवम दुबे 20 रन बनाकर मैथ्यू जेम्स हम्फ्रीज का शिकार बने। सूर्यांश शेडगे एक रन ही बना सके। तिलक वर्मा ने एक छोर से बढ़िया बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों में 55 रन बनाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका।

भारतीय महिला टीम का वर्ल्ड कप सपना टूटा, सामने आई ये 5 अहम वजहें

नई दिल्ली(आरएनएस)। पिछले साल वनडे विश्व कप जीतने के कारण महिला टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम से काफी उम्मीदें थीं। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम को खिताब का प्रबल दावेदार भी माना जा रहा था। हालांकि, रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार के साथ ही टी20 वर्ल्ड कप चैंपियन बनने का सपना एक बार फिर अधूरा रह गया।मध्यक्रम की धीमी बल्लेबाजी-भारतीय टीम को स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की जोड़ी ने कई मुकाबलों में ताबड़तोड़ शुरुआत दी, लेकिन मध्यक्रम की धीमी बल्लेबाजी टीम को काफी महंगी पड़ी। खासतौर पर जेमिमा रोड्रिग्स जरूरत से ज्यादा धीमी बैटिंग करती नजर आईं, जिसका खामियाजा भारतीय टीम को भुगतना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी जेमिमा ने 34 रन बनाने के लिए 28 गेंदें खेलीं। बीच के ओवरों में अधिक डॉट गेंदें खेलने का भी भारतीय टीम को नुकसान उठाना पड़ा। खुद कप्तान हरमनप्रीत का पूरे टूर्नामेंट में स्ट्राइक रेट 131 का ही रहा।खराब फील्डिंग और कैच छोड़ना पड़ा भारी- भारतीय टीम की टूर्नामेंट में फील्डिंग बेहद साधारण रही। खिलाड़ियों ने मुकाबले के कई अहम मौके पर कैच छोड़े। इसके साथ ही भारतीय फील्डर्स ने खराब फील्डिंग के कारण कई अतिरिक्त रन भी दिए, जो टीम को अंत में भारी पड़े। खराब फील्डिंग की वजह से भारतीय गेंदबाज विपक्षी टीम की बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में नाकाम रहीं।तेज गेंदबाजी दिखी बेअसर- इंग्लैंड जैसी बेहतरीन परिस्थितियों में भी भारतीय तेज गेंदबाज विकेटों के लिए जूझती हुई नजर आईं। रेणुका सिंह ने कुल 2 विकेट लिए और उनका इकोनॉमी 8.85 का रहा। वहीं, क्रांति गौड़ और नंदिनी शर्मा जैसी गेंदबाज भी बेअसर दिखाई दीं।

फीफा वर्ल्ड कप से बाहर होने का दुख, लेकिन टीम पर गर्व : ह्यूगो ब्रूज

लॉस एंजिल्स (आरएनएस)। साउथ अफ्रीका का फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सफर समाप्त हो गया है। राउंड ऑफ 32 के पहले मुकाबले में साउथ अफ्रीका को कनाडा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। साउथ अफ्रीका के हेड कोच ह्यूगो ब्रूज ने हार के बाद निराशा जाहिर की, लेकिन टीम के पहली बार नॉकआउट स्टेज तक पहुंचने को बड़ी उपलब्धि करार दिया।

ह्यूगो ब्रूज ने कहा कि भले ही हार से निराशा हुई है, लेकिन उनकी टीम को इस बात पर गर्व होना चाहिए कि वह पहली बार वर्ल्ड कप के नॉकआउट स्टेज तक पहुंची। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट से पहले किसी ने भी साउथ अफ्रीका के इस स्तर तक पहुंचने की उम्मीद नहीं की थी। साउथ अफ्रीका का अभियान चुनौतीपूर्ण रहा। टीम ने पहले मैच में मेक्सिको से हार झेली थी, लेकिन इसके बाद शानदार वापसी करते हुए चेकिया के खिलाफ ड्रॉ खेला और फिर कोरिया को 1-0 से हराकर राउंड ऑफ 32 में जगह बनाई। इस जीत के साथ टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार वर्ल्ड कप नॉकआउट स्टेज में प्रवेश किया।

साउथ अफ्रीका का कनाडा के खिलाफ मुकाबला बेहद करीबी रहा, लेकिन आखिरी समय में स्टीफन यूस्टाकियो के गोल ने साउथ अफ्रीका की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। मैच के बाद ब्रूज ने माना कि उनकी टीम को पावर और स्पीड के मामले में सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कई मौकों पर उनकी टीम शारीरिक मुकाबले में पिछड़ गई, जिसका असर खेल पर पड़ा।

महिला क्रिकेट टीम के प्रति भेदभाव का रवैया अब तक नहीं बदला : सना मीर

लाहौर (ए.)। पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मीर ने कहा है कि खराब प्रदर्शन के बाद जिस प्रकार से महिला क्रिकेटरों को निशाना बनाया जाता है, उससे साफ है कि अभी भी उनके खिलाफ भेदभाग बरता जा रहा है। सना के अनुसार क्रिकेट के प्रति दीवानगी के बाद भी प्रशंसकों और आलोचकों द्वारा पुरुष और महिला टीम को लेकर दोहरा रवैय अपनाया जा रहा है। टी20 विश्वकप में पाक के खराब प्रदर्शन से भी प्रशंसक भड़के थे। पाक टीम ने विश्व कप में लगातार चार हार के बाद नीदरलैंड्स पर एकमात्र जीत की है। इस निराशाजनक प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए, सना ने सवाल किया कि जब पुरुष टीम खराब प्रदर्शन करती है, तो क्या कोई उनसे घर पर ही रहकर काम करने को कहता है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि दोहरा रवैया नहीं चलेगा। खासकर जब पुरुष और महिला टीमों के प्रदर्शन पर चर्चा की जाती है। उन्होंने कहा, मैं आलोचना के इस लहजे से सहमत नहीं हूं। हां, टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी पर केवल इसलिए कि यह महिला टीम है तो उससे भेदभाव क्यों किया जाये ? उन्होंने दुख जताया कि इतने सालों बाद भी महिला टीम को वह सम्मान नहीं मिल रहा है, जिसकी वे अधिकारी हैं।

सेवानिवृत्त होने से एक दिन पूर्व गृह विज्ञान महाविद्यालय की प्राचार्य सहित चार के खिलाफ एफआईआर दर्ज

खेल सामग्री खरीदी में गड्बड़ी, विधायक व कलेक्टर ने दिखाई गंभीरता अब पिछले वर्षों में हुई खेल सामग्री खरीदी की जांच की हो रही मांग

नर्मदापुरम(निप्र)। शासकीय ग्रह विज्ञान महाविद्यालय की प्राचार्य कामनी जैन के खिलाफ सेवानिवृत्त होने से एक दिन पूर्व एफआईआर हो गई है। उनके खिलाफ खेल सामग्री खरीदी में गडबडी होना पाया गया है। खेल सामग्री खरीदी की जानकारी लगने पर विधायक डॉ सीतासरन शर्मा को लगने पर उन्होंने इस संबंध में स्वयं कालेज में जाकर जानकारी प्राप्त की थी। जब उन्हें ज्ञात हुआ कि मामला गडबड़ है तब उन्होंने इस बात की जानकारी कलेक्टर सोमेश मिश्रा को दी। कलेक्टर ने मामले की गंभीरता समझते हुए तहसीलदार सरिता मालवीय से जांच कराई जिसमें अनियमित्ता होना पाया गया। तब उन्होंने मामले में एफआईआर कराने के लिए तहसीलदार को कहा।

प्राचार्य समेत चार पर प्रकरण दर्ज

सिटी कोतवाली में खेल सामग्री खरीदी मामले में प्राचार्य समेत चार पर धोखाधड़ी व गबन का मामला दर्ज हुआ। खेल सामग्री की खरीदी में वित्तीय अनियमितता के मामले में कोतवाली पुलिस ने तहसीलदार एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी सरिता मालवीय की शिकायत पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 624,26 के तहत भारतीय न्याय संहिताबीएनएस की धारा 316, 5 एवं 318; 4 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार मामले में शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय की प्राचार्य कामिनी जैन तत्कालीन भंडार शाखा प्रभारी, तत्कालीन लेखा शाखा प्रभारी लेखापाल तथा भोपाल स्थित मेसर्स वैष्णवी इंटरप्राइजेज के प्रोप्राइटर को आरोपी बनाया गया है। प्राचार्य ने जल्दबाजी में सामग्री आने से पूर्व ही फर्म को एक दिन पूर्व 9 लाख से अधिक की राशि भुगतान कर दिया। आश्चर्य का विषय है इस मामले में कोषालय ने भी भुगतान करने में देर नहीं की।

ट्रेजरी के माध्यम से 9 लाख से अधिक राशि का फर्म को हुआ भुगतान

दो कालेज के लिए बुलवाई थी सामग्री

ग्रह विज्ञान महाविद्यालय में करीब साढ़े 6 लाख 48 हजार 860 रुपए और डोलरिया कॉलेज के 2 लाख की खेल सामग्री के लिए भुगतान किया गया है। जांच में स्टाक पंजी में दर्ज सामग्री भौतिक सत्यापन में कार्यालय में उपलब्ध होना नहीं पाया गया। सामग्री की कुल राशि 9 लाख 28 हजार 568 का भुगतान संबंधित फर्म के खाते में होना पाया गया। दोनों कालेज की स्टाक पंजी जब्त की गई है।

विधायक डॉ. शर्मा ने लिया गंभीरता से

मामले की जानकारी लगने पर गंभीरता समझते हुए विधायक डॉ शर्मा ने सामग्री कालेज में आने से पूर्व स्वयं कॉलेज पहुंचकर जानकारी ली और सामग्री के बारे में पूछा जब सामग्री नहीं आई तो गडबड़ी होना पाते हुए कलेक्टर से जांच के लिए कहा।

ट्रेजरी ऑफिसर से भी भुगतान नहीं करने के लिए कहा। लेकिन भुगतान हो चुका था। अब विधायक डॉ शर्मा का ऐसा मानना है कि बीते वर्षों मे जो खेल सामग्री खरीदी हुई है उसका मिलान करके जांच होनी चाहिए। डॉ शर्मा ने बताया कि उन्होंने कमिश्नर को भी जानकारी दी है।

कलेक्टर ने कराई जांच

कलेक्टर ने भी पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार से जांच कराई है। कुछ आवश्यक दस्तावेज जब्त भी हुए हैं। वर्षों से कार्यरत प्राचार्य पूरी तरह से अनुभवी हैं। इसके बाद भी ऐसा किया जाने पर अनेक सवाल उठ रहे हैं।

मां नर्मदा की महाआरती

नर्मदापुरम (निप्र)। ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा के अवसर पर माँ नर्मदाजी की महाआरती पं घनश्याम शर्मा के आचार्यत्व में पंच विप्रजनों द्वारा सम्पन्न हुई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

नैतिक शिक्षा एवं नशा मुक्ति पर विद्यार्थियों से किया संवाद

रामलाल शर्मा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हुआ कार्यक्रम

नर्मदापुरम(निप्र)। पंडित रामलाल शर्मा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नर्मदापुरम में गायत्री परिवार के तत्वावधान में नैतिक शिक्षा एवं नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शाला के प्राचार्य सुधीर मिश्रा की उपस्थिति में गायत्री परिवार के यू के सिंह ओपी गौर एवं शिवकुमार विश्वकर्मा ने कक्षा 9वीं 10वीं एवं 11वीं के लगभग 102 छात्र.छात्राओं को नैतिक शिक्षा चरित्र निर्माण एवं नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी। वक्ताओं ने विद्यार्थियों से अनुशासित एवं संस्कारित जीवन अपनाने माता.पिता एवं गुरुजनों का सम्मान करने तथा नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि तंबाकू गुटखा सिगरेट शराब एवं अन्य मादक पदार्थ स्वास्थ्य और समाज दोनों के लिए हानिकारक हैं। गायत्री परिवार के ओ पी गौर ने बताया कि गायत्री परिवार द्वारा विद्यालयों एवं विभिन्न संस्थाओं में नैतिक शिक्षा एवं नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है जिसका उद्देश्य युवाओं में संस्कारों का विकास करना तथा नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज का निर्माण करना है।

स्नान के बाद जगन्नाथ महाप्रभु हुए बीमार वैद्य ने दी औषधियां

नर्मदापुरम(निप्र)। अखंड मंडलेश्वर धाम डोंगरवाड़ा में विराजित भगवान जगन्नाथ ने सोमवार को भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ महा स्नान किया। ओडिशा से पधारे आचार्य रश्मि रंजन पाणी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान ने 108 घटों के जल से स्नान किया। इस महा स्नान के कारण भगवान को ज्वर आ गया। ज्वर के कारण वैद्य द्वारा उपचार किया गया और उन्हें ओषधियां दी गई। ज्वर के प्रभाव के कारण महा प्रभु 15 दिन तक बीमार रहेंगे और भक्तों को दर्शन नहीं देंगे। इस दौरान उन्हें वैद्य की सलाह अनुसार सुपाच्य भोजन और दवाएं दी जाती रहेंगी। भगवान के महा स्नान के दौरान मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा। मंदिर के ठाकुर राजा डा आशुतोष शर्माए समिति के अध्यक्ष अजय रथए पीठाधीश्वर बाबाजी प्रसाद दास और अन्य भक्तों ने भगवान को स्नान कराया। स्नान के दौरान मंदिर में भजन कीर्तन होते रहे। मंदिर परिसर जय जय जगन्नाथ के जयकारों से गूंजता रहा। अब भगवान 16 जुलाई को बाहर निकलेंगे और भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकलेंगे। समिति द्वारा रथ यात्रा की तैयारियां जोर शोर से की जा रही हैं।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पाडेय ने जिला विधि एवं कानूनी सलाहकार समिति की घोषणा।'

नर्मदापुरम। इटारसी(निप्र)। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पाण्डेय ने जिला विधि एंव कानूनी सलाहकार समिति का गठन किया गया है। जिले के किसी भी साम्मानित कांग्रेसजनों को विधि एंव कानूनी संबंधी परेशानी होने पर निम्नलिखित कांग्रेस के अधिकृत एडवोकेट से संपर्क कर सकेंगे। समिति में अध्यक्ष एडवोकेट संतोष गुरयानी मो 9827385325. एडवोकेट विकास पाठक सिवनी मालवा मो 8319071634. एडवोकेट बीके शर्मा सुहागपुर मो 9425495330 एडवोकेट नरवर सिंह रघुवंशी पिपरिया मो 9993881058यह जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

मजेएफ लॉयन डॉ जेपी मालवीय बने जोन चेयरपर्सन

नर्मदापुरम(निप्र)। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी 2 रीज़न 5 , वर्ष 26-27 डिस्ट्रिक्ट कार्यकारिणी, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एम जे एफ लॉयन महेश मालवीय भोपाल द्वारा गठित की गई इसमें पिछला प्रेसिडेंट कार्यकाल को ध्यान में रख एम जे एफ लॉयन डॉ जे पी मालवीय नर्मदापुरम को रीज़न 5,जोन 2 की जिम्मेदारी से नवाजा गया है,उनके अंतर्गत रीज़न 5 के 5 क्लब्स रहेंगे जिसमें होशंगाबाद, इटारसी फ्रेंड,इटारसी कपल, इटारसी मैत्री, विदिशा राइजिंग स्टार के साथ में लीड्स विद सर्विस एवं लीड्स विथ एग्जांपल के अंतर्गत विभिन्न तरह के सामाजिक कार्य एमजेएफ लॉयन डॉ शैलेंद्र नेमा रीजन चेयरपर्सन के सुपरविजन में आगामी वर्ष में करेंगे । एमजेएफ लॉयन डॉ जे पी मालवीय कई वर्षों से लायंस क्लब से जुड़कर सामाजिक कार्य करते रहे है और उनके कार्य को लायंस इंटरनेशनल में सराहा गया है ।

:: जिला अधिवक्ता संघ चुनाव ::

अध्यक्ष पद के लिए 6, उपाध्यक्ष के लिए 5 अधिवक्ताओं ने लिए फार्म

सचिव सह सचिव, कोषाध्यक्ष व ग्रंथपाल पद के लिए 3-3 उम्मीदवार ने लिए फार्म

नर्मदापुरम(निप्र)। जिला अधिवक्ता संघ के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एसएस पटेल व सहायक अधिकारी राजेश अग्रवाल ने बताया कि अधिवक्ता संघ के चुनाव के लिए 31 अधिवक्ताओं के द्वारा फार्म लिए गए हैं। कुल 31 अधिवक्ताओं ने विभिन्न पदों के लिए फार्म प्राप्त किए हैं। जिनमें अध्यक्ष पद के लिए 6, उपाध्यक्ष पद के लिए 5 सचिव के लिए 3 सह सचिव पद के लिए 3 कोषाध्यक्ष के लिए 3 ग्रंथपाल पद के लिए 3 और कार्यकारिणी के लिए 8 अधिवक्ताओं ने इस प्रकार कुल 31 अधिवक्ताओं ने फार्म लिए हैं। उन्होंने बताया कि अब फार्म लेकर 30 जून व 1 जुलाई को फार्म जमा किए जा सकेंगे। 2 जुलाई को नामांकन पत्रों की जांच स्क्रूटनी की जाएगी तथा 3 जुलाई को दोपहर 2 बजे तक नाम वापसी की जा सकेगी। इसी दिन अंतिम प्रत्याशियों की सूची भी जारी होगी।श्री पटेल ने बताया कि 15 जुलाई को प्रात: 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक मतदान कराया जाएगा तथा दोपहर 3 बजे से मतगणना प्रारंभ होगी। जिला अधिवक्ता संघ के सभागार में वरिष्ठ निर्वाचन अधिकारी टीएस चौहान राजेश अग्रवाल सहायक निर्वाचन अधिकारी रामकुमार दुबे अभिषेक शुक्ला एवं प्रशांत पालीवाल की उपस्थिति में चुनाव संबंधी कार्य कराए जा रहे हैं। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता एसएस ठाकुर, एमएस चौहान रमेश परिहार एवं केके जराठे सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

31 अधिवक्ताओं ने लिए फार्म

कोषाध्यक्ष और कार्यकारिणी के दो पद महिलाओं के लिए आरक्षित चुनाव के लिए जिन अधिवक्ताओं ने फार्म लिए हैं उनमें अध्यक्ष पद के लिए मनोज जराठे, राजीव दुबे, सुरेंद्र सिंह राजपूत, खेमराज चौहान अजय श्रीवास्तव एवं रामकुमार गुबरेले ने फार्म लिए हैं। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए केशव चौहान दिलीप सिंह ठाकुर प्रकाश दुबे नीरज पटेल एवं सुंदरलाल वर्मा, सचिव पद के लिये अनुपम दुबेए आशीष सिंह ठाकुर एवं मोहन लाल यादवए सह सचिव पद के लिए राकेश शर्मा सीके कुरापा राकेश कुमार बाथरे कोषाध्यक्ष पद के लिए सुश्री शमशाद खान प्रमीला शर्मा एवं गुरप्रीत कौर ग्रंथपाल पद के लिए सोरभ तिवारी विक्रम परते एवं प्रवीण गौर कार्यकारिणी सदस्य के लिए श्रीकांत रघुवंशी बालकराम अहिरवार नीता चौधरी दीप्ती राठौर लखन कीर, आनंद गिरी प्रशांत गोहला व सलोनी अग्रवाल ने फार्म लिया है। कोषाध्यक्ष पद एवं कार्यकारणी में 2 पद महिलाओं के लिये आरक्षित हैं।

पूर्णिमा पर नर्मदा तट के घाटों पर लगा रहा मेला, खूब हुए भंडारे

नर्मदापुरम(निप्र)। हर माह की पूर्णिमा की तरह ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा भक्ति भाव के साथ मनाई गई। स्नान पर्व का यह विशेष संयोग रहा। इस विशेष स्नान पर्व पर नर्मदा तट के घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। पं राजेंद्र पांडेय के अनुसार पूर्णिमा व अमावस्या विशेष स्नान पर्व होते हैं। इस पवित्र पर्व के दिन पवित्र नदियों के जल में स्नान करने का बड़ा पुण्य मिलता है। इस दिन गंगा, नर्मदा समेत अनेक पवित्र नदियों में स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं तांता लगा रहा। नर्मदापुरम सहित अन्य अनेक स्थानों पर मेले जैसा माहौल रहा। नर्मदा तट के घाटों पर लाखों का कारोबार हुआ कई लोग दान-पुण्य के अवसर पर दान देकर पुण्य लाभ कमाते हैं। उन्होने बताया कि पूर्णिमा पर वट के पौधे लगाने से बढ़ा पुण्य लाभ व मन को प्रसन्नता मिलती है। पूर्णिमा के दिन स्नानादि करके पुण्य फल प्राप्त करने का विशेष पर्व है। इसका लाभ उठाया गया। इस दिन लक्ष्मी प्राप्ति के भी अनेक उपाय किए जाते हैं और अकाल मृत्यु व रोगों से मुक्ति के लिए भी स्नान का विशेष लाभ लिया गया।

जगदीश मंदिर में प्राचीन परंपरा के तहत महाप्रभु के हुए महास्नान

जगत के नाथ भगवान जगन्नाथ महास्नान के बाद हुए अस्वस्थ,अब एक परववाडे तक गादीगृह में करेंगे विश्राम, वैद्य द्वारा उपचार प्रारंभ

नर्मदापुरम(निप्र)। प्राचीन परंपराओं के तहत ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा के पावन अवसर पर मां नर्मदा के तट पर स्थित जगदीश मंदिर में जगत के नाथ भगवान जगन्नाथ की पूजा अर्चना व पंचामृत से महास्नन कराया गया। पुरी में स्थित प्राचीन जगन्नाथ मंदिर की परंपराओं के अनुसार नर्मदांचल के प्रसिद्ध व नर्मदा तट के प्राचीनतम मंदिरों में शामिल जगदीश मंदिर में महाप्रभु जगन्नाथ, उनकी बहन देवी सुभ्रदा और बड़े भ्राता बलराम जी की विशेष पूजन अर्चन के साथ सवा मन पंचामृत से महाभिषेक मंदिर परिसर में पं नीरजेश त्रिपाठी के आचार्यत्व में किया गया। यह पूजन अर्चन जगदीश मंदिर के महोत्सव में शामिल है। इसी के साथ ही भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा की तैयारी भी शुरू हो जाती है। जो कि आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की दूज से शुरू होती है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार महास्नान के बाद शाम से भगवान को अस्वस्थ मान लिया जाता है इसके साथ ही उनका दिव्य औषधियों से उपचार की शुरुआत भी हो गई है। वैद्य पं गोपाल प्रसाद खड्डुर के द्वारा दिव्य औषधियों से उपचार प्रारंभ कर दिया गया है।भगवान को मुख्य सिंहासन पर विराजमान करने की बजाए विधि विधान के साथ शयन कक्ष जिसे गादी घर घर कहा जाता है। जो

मंदिर में ही है वहां पर भगवान को विश्राम कराया जा रहा है। गादी घर में भगवान के स्वस्थ्य होने तक किसी को भी दर्शन की अनुमति नहीं दी जाती है। सिर्फ पुजारी के द्वारा भगवान को भोग लगाने वैद्य के द्वारा दी जाने वाली आयुर्वेदिक औषधी दिए जाने के लिए दो बार प्रवेश की अनुमति रहती है। मंदिर के महंत नारायण दास के अनुसार मंदिर में हर वर्ष की तरह पूर्णिमा के अवसर पर मंदिर के सिंहासन से भगवान को मंदिर प्रांगण में सुबह दूध, दही, शहद, शकर, और घी मिलाकर पंचामृत बनाकर महाभिषेक किया गया। इसी के साथ पुरी की परंपरा के अनुसार दोपहर को मानवीय धारणा के तहत अधिक स्नान की बजह से भगवान को बीमार मान लिया गया है। उनके स्वस्थ्य होने पर ही आषाढ़ माह की दूज से जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव मनाया जाएगा। नर्मदांचल के धार्मिक महोत्सव में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का एक अलग ही महत्व है। प्रतिवर्ष की भांति आषाढ़ मास शुल्क पक्ष की द्वितीया से रथयात्रा महोत्सव शुरु होगा। यह महोत्सव एक सप्ताह तक जारी रहता है। रथयात्रा का शहर के विभिन्न स्थानो पर पढ़ाव रहता है। इस उत्सव को लेकर आज से ही देश के विभिन्न प्रांतों से साधु संतो को मंदिर से सूचना दी जाना शुरु हो गई। पारंपारिक रुप से भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा जगदीशपुरा स्थित जगदीश मंदिर से निकलती है। उससे पूर्व रथ को सजाने संवारने का क्रम भी शुरु हो जाएगा। भगवान विशाल रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण को निकलेंगे। गाजे बाजे के साथ संत महंत और रामसखी शामिल होती हैं।

पंचम दा की जयंती पर सजी सुरों की महफिल

असीम बिस्वास की प्रस्तुतियों ने बांधा समां आरडी बर्मन के सदाबहार गीतों से गूंजा संगीत समारोह

नर्मदापुरमी(निप्र)। सांस्कृतिक संस्था म्यूजिक जोन द्वारा हिंदी फिल्म संगीतकार आरडी बर्मन पंचम दा की जयंती पर संगीत संध्या दीवाना लेके आया है का आयोजन किया गया। जिसमें सुप्रसिद्ध गायक एवं किशोर कुमार की आवाज के रूप में पहचान रखने वाले असीम बिस्वास ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। असीम विश्वास को नीरज कैथवास ने सम्मान किया । शुभारंभ सांसद दर्शन चौधरी पूर्व विधायक गिरिजा शंकर शर्मा समाजसेवी राकेश फौजदार राम परसाई एवं डॉ संतोष व्यास द्वारा किया गया। इसके बाद अतिथियों का स्वागत म्यूजिक जोन ने गया। गीतों की प्रस्तुति की शुरूआत म्यूजिक जोन के संरक्षक एवं पूर्व विधायक गिरिजा शंकर शर्मा एवं राकेश फौजदार ने दर्शन दो घनश्याम भजन से की। संगीत संध्या का मुख्य आकर्षण असीम बिस्वास रहे। उन्होंने दीवाना लेके आया है रिमझिम गिरे सावन, ओ मांझी रे जाऊं कहां मुसाफिर हूं यारों तथा ष्जिंदगी के सफर में गुजर जाते हैं जो मुकाम सहित 11 सदाबहार गीत प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। संस्था

ने सांसद का साल श्रीफल से समान किया। कार्यक्रम में विशेष सहयोगी शोसल मीडिया नमस्ते नर्मदापुरम के संचालक तन्मय करैया का विशेष सहयोग रहा। एवं संस्था के अध्यक्ष असीम विश्वास द्वारा साल श्रीफल भेंट कर किया गया। म्यूजिक जोन के वरिष्ठ सदस्य अमित पगारे एवं अनूप सिंह गौर के द्वारा कार्यक्रम में पधारे जन प्रतिनिधियों का पुष्पहार से स्वागत किया। नन्हे कलाकार अनय गौर, इमरान मिर्जा, साधना मेहरा, अभिलाष दुबे, अजय बरखने, प्रतीक द्विवेदी, भाग्यश्री मुकेश गढ़वाल संयम बिल्लोरे वैभव शुक्ला सौम्या विनय शुक्ला खंडवा सीपी भार्गव राजेश अजय दुबे गंगाराम सोनिया सुनील मिश्रा दिनेश श्रीवास्तव सहित अनेक कलाकारों ने आरडी बर्मन और स्वर्णिम फिल्म संगीत के लोकप्रिय गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। सी पी भार्गव के गीत गुलाबी आंखें जो तेरी देखी को विशेष सराहा गया। संचालन एवं आभार प्रदर्शन म्यूजिक जोन के सचिव सईद कुरैशी ने किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से अलाप संगीत संस्था सुरीला नर्मदापुरम वीणापाणी संगीत संस्था के सदस्य स्कूल कॉलेज के प्रोफेसरए शिक्षक छात्र छात्रायें इंग्लिश जोन के छात्र छात्रायें व्यवसायीगण सेवा निवृत्त कर्मचारी सामजिक संस्थाओं के सदस्य जन प्रतिनिधि म्यूनजिक जोन के कलाकारों के परिवार के सदस्य सहित भारी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

शादी की वर्षगांठ पर धाकड़ दंपति ने किया रक्तदान, दिया सेवा और मानवता का प्रेरक संदेश

सीहोर (निप्र)। आज के दौर में जहां अधिकांश लोग अपनी शादी की वर्षगांठ केक काटकर और भव्य आयोजनों के साथ मनाते हैं, वहीं सीहोर के पीडब्ल्यूडी कार्यालय के सामने निवासरत वासुदेव धाकड़ एवं उनकी धर्मपत्नी रीना धाकड़ ने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ को समाज सेवा से जोड़ते हुए जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान किया। धाकड़ दंपति ने रक्तदान कर यह संदेश दिया कि जीवन के विशेष अवसरों को मानव सेवा और परोपकार के माध्यम से भी यादगार बनाया जा सकता है। उनके इस सराहनीय एवं प्रेरणादायी कदम की नगर में व्यापक प्रशंसा हो रही है।इस अवसर पर आशा कार्यकर्ता सरिता विश्वकर्मा सहित नगर के वरिष्ठजनों ने धाकड़ दंपति को वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद, स्वस्थ एवं मंगलमय दांपत्य जीवन की कामना की।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com